कार्रवाई से मचा हड़कंप

नागरिक अस्पताल में स्टेट हेड क्वार्टर अधिकारी का औचक निरीक्षण

- फ्लीट मैनेजर का चार्ज किसी अन्य कर्मचारी को देने के निर्देश, एंबुलेंस गाड़ियों के अंदर बैठकर सुविधाओं की जांच, गाड़ी चालक व ईमएटी की ट्रेनिंग करवाने के लिए प्रबंधन को दिया निर्देश
- विभाग द्वारा निर्धारित सर्विस सेंटर पर गाड़ियों की सर्विस व सेंटर पर एक साल तक हुए रिपेयर के कार्य का रिकॉर्ड तलब करने के निर्देश

चालक और ईएमटी वर्दी में नहीं मिले, एक दिन का वेतन काटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

लोगों का जीवन बचाने वाली जीवन वाहिनी की खस्ता हालत की खबरों को लेकर एनएचएम राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत रेफरल ट्रांसपोर्ट के डिप्टी डायरेक्टर ने शनिवार को नागरिक अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारी ने गाड़ियों में मिलने वाली सुविधाओं को जांचा। अधिकारी द्वारा एक-एक गाड़ी को स्टार्ट करके उसमें खुद जरूरी उपकरणों की जांच की। निरीक्षण के दौरान वर्दी में न मिलने वाले चालक व ईएमटी का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश अधिकारी द्वारा दिए गए है।

साथ ही जिला फ्लीट मैनेजर का चार्ज बदलने व ईमएटी सहित चालक को ट्रेनिंग करवाने के निर्देश प्रबंधन को दिए गए है। सर्विस सेंटरों से गाड़ियों में करवाएं कार्य का एक साल तक का रिकॉर्ड तलब करने के निर्देश दिए गए है। बता दें कि जिला स्वास्थ्य विभाग के पास मौजूदा समय में अलग-अलग सुविधाओं को उपलब्ध करवाने के लिए 30 एंबुलेंस गाड़ियां है। उक्त गाड़ियों की सर्विस को लेकर प्रबंधन की तरफ से उच्च अधिकारियों को पत्राचार किया जाता है। जिला स्तर पर दस हजार से कम खर्च को करने की अनुमति है। जबकि ज्यादा खर्च को लेकर उच्च अधिकारियों से अनुमति लेनी होती है। जानकारी मिली है कि पांच गाड़ियों में सर्विस व पार्ट खराब होने के चलते ज्यादा खर्च होना है। जिसकी अनुमति नहीं मिल पा रही थी। शनिवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत तैनात (आरटी) रेफरल ट्रांसपोर्ट के डिप्टी डायरेक्टर डा. यादवेंद्र सिंह अस्पताल में पहुंचे। जहां उन्होंने परिसर में खड़ी गाड़ियों में सुविधाओं व उपकरणों की जांच की। निरीक्षण के दौरान जिला एनएचएम अधिकारी डा. सुभाष, आरएमओ डा. मंजीत राठी, फ्लीट मैनेजर, सहित एंबुलेंस पर तैनात कर्मचारी मौजूद रहे।

गाड़ियों में हल्के स्ट्रेचर, ईएमटी नहीं लग पाया स्ट्रेचर, एक सप्ताह का प्रशिक्षण देने का निर्देश

सोनीपत। ईएमटी से मरीज को स्ट्रेचर पर लैटाने की जांच करते हुए।

जांच के दौरान ईएमटी सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को स्ट्रेचर पर लेटाने के लिए स्ट्रेचर ही नहीं लगा पाया। इस दौरान एंबुलेंस चालक ने घायल के लिए स्ट्रेचर लगाने का तरीका बताया। इस पर उप निदेशक ने फ्लीट मैनेजर को एक सप्ताह के लिए ईएमटी को आपातकालीन कक्ष में प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिए। इस दौरान उप निदेशक ने एंबुलेंस की लॉग बुक की जांच की। लॉग बुक में मरीज के कॉल की एंट्री तक नहीं मिली। इस पर उप निदेशक डा. यादवेंद्र सिंह सिंह ने कहा कि चालक की लापरवाही के चलते गर्भवती व बीमार लोगों को ऑन कॉल एंबुलेंस के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है या स्वयं कोई वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वहीं, उप निदेशक ने बायोमेडिकल इंजीनियर को भी एंबुलेंस की कमियां दूर कराने के निर्देश दिए।

गाड़ी की फटी मिली चालक सीट

डिप्टी डायरेक्टर द्वारा गाड़ियों के अंदर मिलने वाली सुविधाओं व उपकरणों की जांच

के दौरान चालक सीट फटी होने व ऑक्सीजन सिलेंडर लीकेज को लेकर भड़के। गाड़ियों में लगे सीसीटीवी खराब मिले। अधिकारी ने प्रबंधन को गाड़ी पर तैनात ईएमटी को रेफर के दौरान व उसे अस्पताल लाते समय पीछे मरीज के साथ रहने के निर्देश दिए। जीपीएस सिस्टम व सीसीटीवी कैमरें दुरूस्त करने की बात कही।

गाड़ियों के होते हैं साप्ताहिक अवकाश, चौके डिप्टी ईएमटी

अस्पताल परिसर में खड़ी गाड़ियों की जांच के दौरान डिप्टी डायरेक्टर कर्मचारियों की बात सुनकर दंभ रह गए। उन्हें पता चला कि एंबुलेंस गाड़ी को कर्मचारियों की तरफ से साप्ताहिक अवकाश दिया जा रहा है। हालांकि उक्त गाड़ी पर तीन ईएमटी व तीन चालकों की तैनाती है। उन्हें अवकाश होने पर गाड़ी को भी परिसर में अवकाश के लिए खड़ा कर दिया जाता है। जिसको लेकर डिप्टी डायरेक्टर ने प्रबंधन को रोस्टर में बदलाव करके गाड़ी को आमजन के लिए 24 घंटे उपलब्ध व कर्मचारी के तैनात होने के निर्देश दिए।

एंबुलेंस गाड़ियों को खुद स्टार्ट करके देखा

एंबुलेंस गाड़ियों की जांच के दौरान अधिकारी ने खुद गाड़ी स्टार्ट करके देखी। उसके बाद गाड़ी में ऑक्सीजन की सुविधा, स्ट्रेचर का रखरखाव व उसमें मौजूद उपकरणों की जांच की। गाड़ियों में सफाई को लेकर उन्होंने चालक व ईएमटी को कड़े निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एंबुलेंस चालक व ईएमटी वर्दी में नहीं मिले। जिसके चलते अधिकारी ने दोनों कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। साथ ही डयूटी के दौरान वर्दी न पहने वाले कर्मचारी के खिलाफ विभागीय कार्यवाही की बात कही।

दान में दी गाड़ी फांक रही धूल, नाम नहीं करवा पा रहे गाड़ी

आमजन को आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस की सुविधा मिल सके उसके लिए निजी कंपनियों व सोसाइटी की तरफ से गाड़ी दान दी गई थी। जोकि गत नवंबर माह में जिला उपायुक्त को गाड़ी को सौंपा गया था। स्वास्थ्य विभाग में पहुंचने के बाद कई माह से गाड़ी परिसर में खड़ी धुल फांक रही है। जिसे देखकर डिप्टी डायरेक्टर लाल हो गए। उन्होंने गाड़ी जांच करने के साथ उसके कागजात जांचे। अस्पताल प्रबंधन की तरफ से अब तक गाड़ी को जिला स्वास्थ्य अधिकारी के नाम नहीं करवा पाने की बात सामने आई। कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद गाड़ी आमजन के लिए उपलब्ध हो सकेगी।

ईएमटी को बेहतर प्रशिक्षण दिलवाया जाएगा

अधिकारी की तरफ से दौरा किया गया है। जिसमें जरूरी दिशा-निर्देश मिले है। आदेशों की पालना करते हुए रोस्टर तैयार किया गया है। साथ ही ईएमटी को बेहतर प्रशिक्षण दिलवाया जाएगा। बिना वर्दी में मिलने वाले कर्मचारी के खिलाफ विभागीय कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

- डा. सुभाष गहलावत, जिला अधिकारी।

तस्करी का आरोपित पकड़ा, कोर्ट में पेश

सोनीपत। क्राइम यूनिट कुंडली पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित भरत उर्फ भरथू निवासी किसान कॉलोनी गोहाना का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। अदालत ने आरोपित को चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपित से पूछताछ की जा रही है। सहायक उप निरीक्षक प्रदीप की टीम गश्त के दौरान बरोदा फाटक गोहाना में मौजूद थी। उसी दौरान मादक पदार्थ तस्कर की सूचना मिली। टीम ने आरोपित को काबू कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास मादक पदार्थ मिला। जिसका वजन करने पर एक किलो 510 ग्राम चरस मिली। आरोपित के खिलाफ संबंधित थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया। जांच अधिकारी आशीष की ने बताया कि आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है।

SHIVA SHIKSHA SADAN
DEV NAGAR, KAKROI ROAD, SONIPAT(HR)-131001
URGENTLY REQUIRED
Passionate, Trained and Experienced Post graduate / M.Phil / Ph.D. with B.Ed., HTET/CTET/NET qualified female candidates, having brilliant academic background, fluent communication & IT skills may apply for :
BIOLOGY TEACHER
(Salary : Rs. 51800/-)
THIRD PARTY ROLES
- IT & NETWORK TECHNICIAN
Minimum 2 years experience of managing Network Protocols, Cabling, CCTV
- ACADEMIC AUDITOR CUM ASSISTANT TEACHER
Enthusiastic observer with Post Graduate degree in any subject
- DISCIPLINE INCHARGE (Ex- Armed Forces Personnels, Minimum Graduate)
(Salary : Rs.20,000/- to Rs. 25,000/-)
- HOUSKEEPING SUPERVISOR CUM HELPER
(Salary : Rs.17,000/-)
Apply through hand-written resume, latest photograph and all testimonials within 4 days to School office or through email
info@shivashikshasadan.com

Self trust is the first secret of Success
DEEP NURSING ACADEMY & CONSULTANCY
SONIPAT
हम करते हैं आपके नर्सिंग ऑफिसर बनने का सपना साकार
ADMISSION OPEN
No. 1 for Nursing | 100% Result | Guranted Job Placement

श्री जगदीप सुरा
रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं।
भगवान राम के जन्म के पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं।
GNM
Session 2025-26
Arts & Commerce
(3 Years, Eligibility 10+2 with 40% Marks)
BOYS & GIRLS
B.Sc. (N) (4 Years, Eligibility : 10+2 PCBE)
P.B.Sc. (N) 2 Years, Eligibility : After GNM
ANM Arts & Commerce, 2 Years, Eligibility : 10+2 Pass
INC, PNRC, HNRC
• Training in Reputed Hospital • Academic Excellence • Best Descipline & High Security
छोटूराम चौक, गोहाना रोड, सोनीपत - 131001
9253090240, 9896986730
website:www.deepnursingacademy.com

खबर संक्षेप

दुर्गाष्टमी पर लगा मेला हवन से की थी शुरुआत

सोनीपत। हरसाना मालचा में दुर्गा अष्टमी के मौके पर मेले का आयोजन किया गया। भोले बाबा आश्रम प्रमुख सुनील बैरागी ने बताया कि इस मेले में सबसे पहले हवन यज्ञ किया गया। इसके उपरांत मंदिर में मां की पूजा अर्चना की गई। इस मौके पर हजारों की संख्या में भक्तों ने हिस्सा लिया।

संदिग्ध हालत में युवक ने फंदे से लटककर दी जान

सोनीपत। सदर थाना क्षेत्र के गांव बंदेपुर में संदिग्ध हालत में युवक ने फंदे से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। परिजनों ने मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। गांव बंदेपुर निवासी रोहताश ने बताया कि उसका बेटा साहिल (21) निजी कंपनी में काम करता था। उसने फंदे से लटककर जान दे दी। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया।

मृतक का फाइल फोटो।

हाईकोर्ट में दी गई थी चुनौती

मुरथल विवि में ईसी की नियुक्तियों पर राज्यपाल लेंगे फैसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

मुरथल स्थित दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद (ईसी) में की गई नियुक्तियों को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई है।

याचिकाकर्ता डॉ. रमेश कुमार और अन्य का आरोप है कि नियुक्तियां विश्वविद्यालय एक्ट का उल्लंघन करके की गई हैं। याचिकाकर्ताओं के अनुसार ईसी में विश्वविद्यालय एक्ट के अनुसार तीन डीन और दो सीनियर फैकल्टी सदस्य होने चाहिए, लेकिन न तो डीन का सही रोटेशन हुआ और न ही योग्य प्रोफेसरों का चयन किया गया। कुछ सीनियर प्रोफेसरों की जगह जूनियर प्रोफेसरों को नामित कर दिया गया। कोर्ट में सुनवाई के दौरान विश्वविद्यालय के वकील ने बताया कि याचिकाकर्ता पहले ही 3 मार्च को इस संबंध में विश्वविद्यालय को शिकायत दे चुके हैं, जिसे सात दिनों के भीतर कुलाधिपति (राज्यपाल) को भेजा जाएगा। एक्ट की धारा 31 के तहत कुलाधिपति का निर्णय अंतिम माना जाएगा।

- वकील ने बताया कुलाधिपति के पास भेजा गया है मामला

कोर्ट ने भी इस प्रक्रिया पर सहमति जताई है। विश्वविद्यालय की टीचिंग यूनियन के प्रधान प्रो. अजय डबास और कर्मचारी यूनियन के प्रधान आनंद राणा ने बताया कि वे जल्द ही राज्यपाल से मुलाकात करेंगे। उनकी मांग है कि परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय रद किए जाएं और नियुक्तियों की निष्पक्ष जांच हो।

खरखौदा में जिला स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता आज

खरखौदा। उपमंडल खरखौदा में 6 अप्रैल को जिलास्तरीय कुश्ती स्पर्धा आयोजित की जा रही है। जिसके आयोजन की जिम्मेदारी सोमवीर आर्य को मिली है। आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सोमवीर आर्य ने बताया कि जिलास्तरीय स्पर्धा का आयोजन बरोणा मार्ग पर बाबा भोला दास अखाड़ा खरखौदा पर किया जा रहा है। जिसमें क्षेत्रीय विधायक पवन खरखौदा बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर रहे हैं। जिसमें महिला व पुरुष पहलवान अपना दमखम दिखाएंगे। महिला वर्ग में 53, 62 व 76 किलोग्राम भारवर्ग में तथा पुरुष वर्ग में 61, 74 व 125 किलोग्राम में मुकाबले करवाए जा रहे हैं।

सोनीपत। सेक्टर 15 में कन्या पूजन करते प्रदीप भारद्वाज एवं उनकी पत्नी।

दुर्गा अष्टमी : कन्याओं का पूजन कर लिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

चैत्र नवरात्र के तहत शनिवार को दुर्गा अष्टमी मनाई गई। जिले भर में मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी की पूजा-अर्चना कर लड़कियों को कंजकों के रूप में पूजा कर भोजन कराया गया। मंदिरों व घरों में श्रद्धालुओं ने कंजकों को भोजन कराकर मां महागौरी से सुख-समृद्धि, धन-धान्य व वैभव की कामना की। श्रद्धालुओं ने सुबह कंजकों के पैर धोकर उन्हें आसन ग्रहण करवाया। कंजकों को तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। भोजन उपरांत सभी कंजकों को श्रद्धा अनुसार उपहार दिए गए।

मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़

नवरात्र उत्सव पर मंदिरों को फूलों व बिजली की लड़ियों से जगमग किया गया है। मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की काफी भीड़ उमड़ी। यह सिलसिला देर रात तक जारी रहा। श्रद्धालुओं ने माता की पूजा-अर्चना कर परिवार में सुख-समृद्धि की कामना

कन्याओं का किया पूजन, उपहार दिए

महाष्टमी के उपलक्ष में शिव शक्ति धाम नंदवानी नगर में महामंडलेश्वर अंजनी देवा नंद गिरी महाराज ने कन्या पूजन किया। कन्या पूजन के बाद बच्चों और उनकी माताओं को उपहार भी दिए गए। वहीं सेक्टर 15 स्थित अपने निज आवास पर प्रदीप भारद्वाज के यहां चैत्र नवरात्रि के उपलक्ष्य मे नवचंडी पाठ पूजन का आयोजन किया गया। महा अष्टमी पर कन्या पूजन भी किया गया।

South Point
PUBLIC SCHOOL | WORLD SCHOOL
An English Medium, Co.Ed., Sr. Sec. School (Aff. to CBSE, New Delhi)
Purkhas Road, Near Sugar Mill Flyover, Sonepat Ph.: 9306018324 | Murthal Chowk, MURTHAL Sonepat Ph.: 9817500207
Admissions 2025-26 OPEN
for Classes PP-I to IX & XI
DILBAG S. KHATRI
Chairman & Managing Trustee
www.southpoint.net.in
Streams Offered for Classes 11th & 12th Medical | Non-Medical | Commerce | Humanities
Admission Helpline 0130-2216800 www.southpoint.net.in
98120 20033, 9812118466

RUKMINI DEVI
PUBLIC SCHOOL
The School with a difference....
Under The Aegis Of Seth Pokhar Mal Educational Society
BRITISH COUNCIL
STATE OF THE ART INFRASTRUCTURE
Excellence in Education

ADMISSION OPEN
Session 2025 - 26
CLASSES NURSERY TO IX & XI
NO ADMISSION FEE FOR GIRL CHILD
50% DISCOUNT ON ADMISSION FEE FOR SIBLING
50% DISCOUNT ON ADMISSION FEE FOR MERITORIOUS STUDENT
ONLY RS 5000/- ADMISSION FEE FOR THE WARD OF BELT SERVICE MEN
KEY FEATURES
✓ FULLY AIR CONDITIONED CLASS ROOMS
✓ FOCUS ON HOLISTIC DEVELOPMENT
✓ FACILIATED WITH PROJECTOR IN ALL CLASS ROOMS
✓ WELL EQUIPPED 3D LAB, LANGUAGE LAB, SCIENCE LABS, SOCIAL SCIENCE LAB AND MATHS LAB.
+91-9996547888, +91-7357223501
43.7 Milestone, NH-44, Vardaan Chowk, Opposite Sector-7, Sonipat (Haryana)
www.rdps-nh1.edu.in
contact@rdps-nh1.edu.in

स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट से निवेश को रखा जा सकता सुरक्षित

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

संभावित नुकसान को कम किया जा सकता है, रिटर्न को अधिकतम करने में मदद मिल सकती है, जोखिम प्रबंधन तकनीकों से सूचित निवेश निर्णय ले सकते हैं, बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम कर सकते हैं

स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट करना बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह आपके निवेश को सुरक्षित रखने में मदद करता है। स्टॉक मार्केट एक स्वाभाविक रूप से अस्थिर वातावरण है जहां मार्केट ट्रेंड, आर्थिक स्थिति, कंपनी के प्रदर्शन और भू-राजनीतिक घटनाओं जैसे विभिन्न कारकों से जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं। इसलिए, इन्वेस्टर्स के लिए एक अच्छी तरह से परिभाषित रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी होना आवश्यक है जो संभावित नुकसान को कम करने और रिटर्न को अधिकतम करने में उन्हें मदद कर सकती है। जोखिम प्रबंधन तकनीकों को लागू करके, निवेशक सूचित निवेश निर्णय ले सकते हैं और अपने पोर्टफोलियो पर बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम कर सकते हैं। इस संदर्भ में, इस निबंध का उद्देश्य स्टॉक मार्केट में जोखिम प्रबंधन की अवधारणा, इसके महत्व, और निवेशक जो विभिन्न रणनीतियों का प्रभावी रूप से प्रबंधन करने के लिए उपयोग कर सकते हैं।

जोखिम प्रबंधन क्या है

जोखिम प्रबंधन यानी रिस्क मैनेजमेंट किसी गतिविधि या निवेश से जुड़े जोखिमों की पहचान, मूल्यांकन और कम करने की एक व्यवस्थित प्रक्रिया है। जोखिम प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य इसके रिटर्न को अधिकतम करते समय निवेश पोर्टफोलियो पर जोखिमों के संभावित प्रभाव को कम करना है। स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट में एक कॉम्प्रिहेंसिव दृष्टिकोण शामिल है जो एक इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों पर विचार करता है। इन कारकों में मार्केट ट्रेंड, आर्थिक स्थिति, राजनीतिक कार्यक्रम और कंपनी के प्रदर्शन शामिल हो सकते हैं। कई जोखिम प्रबंधन तकनीक हैं, जिनका उपयोग निवेशक जोखिमों को प्रभावी रूप से प्रबंधित करने के लिए कर सकते हैं। एक लोकप्रिय स्ट्रेटेजी विविधता है, जहां इन्वेस्टर अपने पोर्टफोलियो पर मार्केट के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विभिन्न एसेट क्लास या सिक्योरिटीज़ में अपने इन्वेस्टमेंट को फैलाते हैं. अन्य तकनीकों में हेजिंग शामिल हैं, जहां इन्वेस्टर संभावित नुकसान को ऑफसेट करने के लिए विकल्प या फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट जैसे फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट का उपयोग करते हैं, और ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट का उपयोग करते हैं।

जोखिम प्रबंधन ऐसे करता है काम

जोखिम प्रबंधन संभावित जोखिमों की पहचान करके, उनकी संभावना और संभावित प्रभाव का आकलन करके और उन जोखिमों को कम करने या उनसे बचने के लिए रणनीतियों को लागू करके काम करता है। इसमें कई चरण शामिल होते हैं।

1. जोखिम पहचान: जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया का पहला चरण निवेश पोर्टफोलियो को प्रभावित करने वाले संभावित जोखिमों की पहचान करना है। यह ऐतिहासिक डेटा विश्लेषण, मार्केट रिसर्च या एक्सपर्ट ओपिनियन जैसे विभिन्न तरीकों के माध्यम से किया जा सकता है।

2. जोखिम मूल्यांकन : संभावित जोखिमों की पहचान होने के बाद, उन्हें निवेश पोर्टफोलियो पर घटना और संभावित प्रभाव की संभावना के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है। इस चरण में जोखिम की गंभीरता और इसकी घटना की संभावना का विश्लेषण शामिल है।

3. जोखिम मूल्यांकन: जोखिमों का मूल्यांकन करने के बाद, उनका मूल्यांकन उनकी प्राथमिकता और महत्व के आधार पर किया जाता है। इस चरण में यह निर्धारित करना शामिल है कि कौन से जोखिम सबसे महत्वपूर्ण हैं और तुरंत ध्यान देना आवश्यक है।

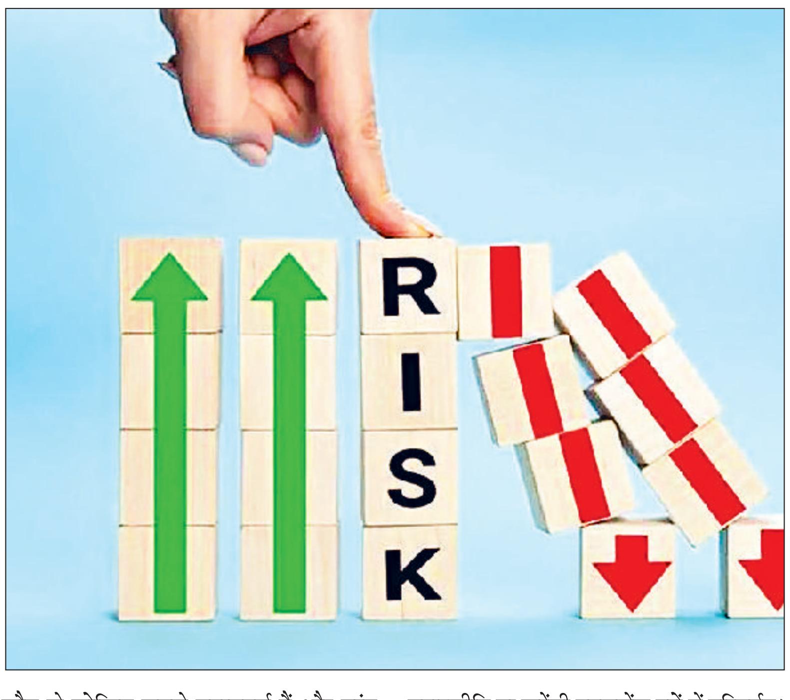

4. जोखिम उपचार: जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया का अंतिम चरण पहचाने गए जोखिमों को कम करने या उनसे बचने के लिए रणनीतियों को लागू करना है। यह विभिन्न तकनीकों के माध्यम से किया जा सकता है, जैसे डाइवर्सिफिकेशन, हेजिंग या ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट।

जोखिम प्रबंधन के प्रकार

1. मार्केट रिस्क मैनेजमेंट : मार्केट रिस्क मार्केट की उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप नुकसान होने की संभावना है, जैसे ब्याज़ दरों, मुद्रास्फीति या करेंसी एक्सचेंज दरों में परिवर्तन। इस जोखिम प्रबंधन में निवेश पोर्टफोलियो पर बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विविधता, हेजिंग और सक्रिय पोर्टफोलियो प्रबंधन जैसी रणनीतियों का उपयोग करना शामिल है।

2. क्रेडिट रिस्क मैनेजमेंट : क्रेडिट रिस्क का अर्थ उधारकर्ता की लोन का भुगतान करने में असमर्थता के परिणामस्वरूप नुकसान को समाप्त करने की संभावना है या अन्य फाइनेंशियल प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की संभावना है। इस जोखिम प्रबंधन में उधारकर्ताओं की क्रेडिट योग्यता का आकलन करना और डिफॉल्ट के संभावित प्रभाव को कम करने के उपायों को लागू करना शामिल है, जैसे कोलैटरल या इंश्योरेंस।

3. ऑपरेशनल रिस्क मैनेजमेंट: इंटरनल प्रोसेस, सिस्टम या लोगों में विफलताओं के कारण होने वाले नुकसान का जोखिम ऑपरेशनल रिस्क है। इस जोखिम प्रबंधन में संचालन विफलताओं के संभावित प्रभाव को कम करने के लिए नियंत्रण और प्रक्रियाओं को लागू करना शामिल है, जैसे आकस्मिक प्लानिंग या आपदा रिकवरी।

4. लिक्विडिटी जोखिम प्रबंधन: आवश्यकता पड़ने पर एसेट को कैश में बदलने में असमर्थता के कारण नुकसान की संभावना को लिक्विडिटी जोखिम के रूप में जाना जाता है। यह जोखिम प्रबंधन पर्याप्त नकदी आरक्षित रखता है और यह गारंटी देने के लिए प्रक्रियाएं रखता है कि आवश्यकता होने पर एसेट को तेजी से नकद में बदला जा सकता है।

5. प्रतिष्ठात्मक जोखिम प्रबंधन: प्रतिष्ठात्मक जोखिम कंपनी की प्रतिष्ठा या ब्रांड के नुकसान के कारण होने वाले नुकसान का जोखिम है। प्रतिष्ठात्मक जोखिम प्रबंधन में कंपनी की प्रतिष्ठा को सुरक्षित रखने के उपायों को लागू करना शामिल है, जैसे कि सोशल मीडिया की निगरानी करना और नकारात्मक फीडबैक का जल्दी जवाब देना।

6. कानूनी और नियामक जोखिम प्रबंधन: नियमों और विनियमों को तोड़ने के परिणामस्वरूप होने वाला नुकसान कानूनी और नियामक जोखिम के रूप में जाना जाता है। संबंधित कानूनों और विनियमों के अनुपालन की गारंटी देने के लिए नियंत्रण और प्रक्रियाओं को लागू करना कानूनी और नियामक जोखिम प्रबंधन का हिस्सा है।

क्या हों रणनीतियां

1. डाइवर्सिफिकेशन: डाइवर्सिफिकेशन एक स्ट्रेटेजी है जिसमें पोर्टफोलियो पर मार्केट के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विभिन्न एसेट क्लास या सिक्योरिटीज़ में इन्वेस्टमेंट को फैलाना शामिल है। विभिन्न सेक्टरों, भौगोलिक क्षेत्रों और मार्केट कैपिटलाइज़ेशन में स्टॉक की रेंज में इन्वेस्ट करके, इन्वेस्टर पोर्टफोलियो पर किसी भी एक स्टॉक या सेक्टर के प्रभाव को कम कर सकते हैं।

2. स्टॉप-लॉस ऑर्डर: स्टॉप-लॉस ऑर्डर अगर यह एक निश्चित प्राइस पॉइंट तक पहुंचता है, तो स्टॉक बेचने का ऑर्डर है। यह रणनीति उस स्थिति में संभावित नुकसान को सीमित करने के लिए इस्तेमाल की जाती है जिसमें स्टॉक की कीमत पूर्वनिर्धारित सीमा से कम होती है।

3. हेजिंग: हेजिंग में संभावित नुकसान को ऑफसेट करने के लिए विकल्प या फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट जैसे फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट का उपयोग करना शामिल है। उदाहरण के लिए, अगर स्टॉक की कीमत कम हो जाती है, तो इन्वेस्टर संभावित नुकसान से सुरक्षा के लिए स्टॉक पर विकल्प खरीद सकता है।

4. ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट: मार्केट परिस्थितियों को शिफ्ट करने के लिए निरंतर आधार पर पोर्टफोलियो की निगरानी और बदलना को ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट के रूप में जाना जाता है। बुद्धिमानी से निवेश चयन करने के लिए, इस तकनीक के लिए मार्केट ट्रेंड, कॉर्पोरेट परफॉर्मेंस और आर्थिक डेटा का आकलन करना आवश्यक है।

5. डॉलर-लागत औसत: डॉलर-लागत औसत एक तरीका है, जिसमें मार्केट की स्थितियों के बावजूद कंपनी में नियमित अवधि में निरंतर राशि निवेश की जाती है। यह तकनीक निवेशकों को कीमतें कम होने पर अधिक स्टॉक खरीदकर मार्केट की अस्थिरता से लाभ प्राप्त करने में सक्षम बनाती है और जब कीमतें अधिक होती हैं तो कम शेयर होते हैं।

6. फंडामेंटल एनालिसिस: फंडामेंटल एनालिसिस, अपने फाइनेंशियल स्टेटमेंट, इंडस्ट्री ट्रेंड और अन्य संबंधित डेटा का मूल्यांकन करके कंपनी के अंतर्निहित मूल्य को निर्धारित करने का एक तरीका है। यह विधि उन स्टॉक को खोजने के लिए डिजाइन की गई है, जो सस्ते हैं और संभावित वृद्धि की संभावनाएं हैं।

बुलियन मार्केट बूम-बूम : क्या यह गोल्ड फंड में निवेश का सही समय

सुझाव | बिजनेस डेस्क

सोना यानी गोल्ड के प्रति निवेशकों का आकर्षण लंबे समय से बना हुआ है, खासकर तो ग्लोबल स्तर पर अनिश्चितता के समय में यह और बढ़ जाता है। सोने की एमसीएक्स पर कीमत 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गई है। सिर्फ इस साल यानी 2025 की बात करें तो इसकी कीमतों में 18 फीसदी की बढ़ोतरी आ चुकी है, जबकि साल 2024 में सोना 27 फीसदी मजबूत हुआ था। इंटरनेशनल स्तर पर, सोना 3,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस की महत्वपूर्ण रेंज को पार कर गया है, वहीं कुछ ब्रोकरेज हाउस ने आगे और मजबूती की संभावना जताई है। अब यह सवाल उठता है कि क्या निवेशकों को गोल्ड ईटीएफ और म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए, या यह

सोने में रैली जारी रहने की उम्मीद

बुलियन मार्केट के जानकारों का कहना है कि सोने में पिछले 15 महीने की प्रभावशाली रैली यह सोचने पर मजबूत करती है कि इत तरह की तेजी किन वजहों से आई है। यह वर्तमान में दुनिया भर में जियो-पॉलिटिकल और आर्थिक अनिश्चितताओं द्वारा संचालित टॉप प्रदर्शन करने वाला एसेट क्लास है। सोने की सेफ हैवन वाली स्थिति और मजबूत होती है, क्योंकि विशेष रूप से टैरिफ को लेकर अमेरिकी पॉलिसी, वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाती हैं। एक प्रमुख फैक्टर केंद्रीय बैंकों द्वारा रिकॉर्ड तोड़ सोना खरीदना भी है, जिसका उद्देश्य रिजर्व में विविधता लाना और अमेरिकी डॉलर जैसी सिंगल-करेंसी एसेट्स पर निर्भरता कम करना है। यह ट्रेंड जारी रहने की उम्मीद है, जिससे निकट भविष्य से लेकर लॉन्ग टर्म में सोने की कीमतों में तेजी बनी रहेगी। जियो-पॉलिटिकल टेंशन और केंद्रीय बैंकों द्वारा अमेरिकी ट्रेजरी से दूर जाने का यह संयोजन सोने की कीमतों में तेजी के पीछे प्रमुख फैक्टर हैं। भारत में, विशेष रूप से वेडिंग सीजन के दौरान ज्वैलरी की पारंपरिक मांग, सोने की कीमतों में उछाल को बढ़ाती है। हाल ही में अमेरिकी सरकार की टैरिफ पॉलिसी ने सुरक्षित माने जाने वाले एसेट्स का आकर्षण बढ़ा दिया है। पॉलिसी को लेकर अनिश्चितता, वैश्विक संघर्ष, केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीद और भारत व चीन में रिटेल इंटरेस्ट से प्रेरित सोने की मांग में यह स्ट्रक्चरल शिफ्ट आगे जारी रह सकता है। इसलिए सोने में निवेश किया जा सकता है।

गोल्ड फंड में निवेश

लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए, सोने से संबंधित एसेट्स हमेशा एक व्यवहारिक विकल्प होते हैं। शॉर्ट टर्म की प्राइस वोलेटिलिटी को कम करने के लिए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) की सलाह है। इंडेक्स फंड, एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) और फंड ऑफ फंड सहित गोल्ड फंड, व्यापक आर्थिक अनिश्चितता के दौरान पोर्टफोलियो को स्थिरता प्रदान कर सकते हैं और महंगाई के खिलाफ सुरक्षा दे सकते हैं।

सोने में कमा लिया मुनाफा तो क्या करें

निवेशक अपने रिस्क लेने की क्षमता, निवेश की अवधि और वित्तीय लक्ष्य के अनुरूप एक डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाए रख सकते हैं। एलाइनमेंट सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर पोर्टफोलियो समीक्षा जरूरी है। फाइनेंशियल प्लानर लॉन्ग टर्म एसेट एलोकेशन पर टिके रहने की सलाह दे रहे हैं। अगर आवश्यक हो, तो फाइनेंशियल एडवाइजर के गाइडेंस में रीबैलेंसिंग किया जा सकता है। सोने को आम तौर पर एक लॉन्ग टर्म एसेट क्लास माना जाता है और उसी के अनुसार स्ट्रैटेजी अपनाई जानी चाहिए।

लंबे समय के लिए करें निवेश

- वैश्विक अनिश्चितता और केंद्रीय बैंक की खरीद के कारण सोने की कीमतें बढ़ी।
- लॉन्ग टर्म निवेशक सोने की स्थिरता और महंगाई के खिलाफ हेजिंग से लाभ उठा सकते हैं।
- एसआईपी सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव को मैनेज करने के लिए आदर्श विकल्प है।
- एक डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाए रखें और रीबैलेंसिंग के लिए फाइनेंशियल एडवाइजर से परामर्श करें।
- सोना एक लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट एसेट है।

गोल्ड के प्रति निवेशकों का आकर्षण लंबे समय से बना है, ग्लोबल स्तर पर अनिश्चितता के समय में और बढ़ जाता है, सोने की एमसीएक्स पर दाम 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार हैं।

बुलियन मार्केट में निवेश करने के चरण

चरण 1 : समझें बुलियन मार्केट

1. **बुलियन क्या है?** : बुलियन सोना, चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम जैसे कीमती धातुओं को कहते हैं।
2. **बुलियन मार्केट कैसे काम करता है?** : बुलियन मार्केट में इन धातुओं का कारोबार होता है, जहां निवेशक इन्हें खरीदते और बेचते हैं।

चरण 2: निवेश के विकल्प चुनें

1. **फिजिकल बुलियन** : सोना, चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम जैसे कीमती धातुओं को फिजिकल रूप में खरीदना।
2. **गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (जीईटीएफ)** : गोल्ड जीईटीएफ में निवेश करना, जो सोने की कीमत के अनुसार चलता है।
3. **बुलियन ईटीएफ** : अन्य कीमती धातुओं जैसे चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम के ईटीएफ में निवेश करना।
4. **बुलियन म्यूचुअल फंड्स** : बुलियन म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना, जो कीमती धातुओं में निवेश करते हैं।
5. **ऑनलाइन बुलियन प्लेटफ़ॉर्म** : ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म जैसे कि बुलियनबाज़ार, पेटीएम गोल्ड, आदि पर निवेश करना।

चरण 3: निवेश करने से पहले ध्यान रखें

1. **जोखिम समझें** : बुलियन मार्केट में जोखिम होता है, इसलिए निवेश करने से पहले जोखिम को समझें।
2. **निवेश के लक्ष्य तय करें** : अपने निवेश के लक्ष्य तय करें, जैसे कि लंबी अवधि के लिए निवेश करना या अल्पावधि में लाभ कमाना।
3. **निवेश की राशि तय करें** : अपने निवेश की राशि तय करें, जो आपके लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।
4. **निवेश के लिए समय तय करें** : अपने निवेश के लिए समय तय करें, जो आपके लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।

चरण 4: निवेश करें

1. **निवेश के लिए खाता खोलें** : निवेश के लिए एक खाता खोलें, जो आपके निवेश के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।
2. **निवेश करें** : अपने निवेश के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार निवेश करें।
3. **निवेश की निगरानी करें** : अपने निवेश की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार समायोजन करें। इस सोने में निवेश को सही समय हो सकता है। आने वाले दिनों में इसमें और बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

छोटे-छोटे निवेश भी बना सकते हैं करोड़पति!

बिजनेस डेस्क

- 2000, 5000 और 10000 के मंथली निवेश करें
- लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें, पीछे मुड़कर न देखें

तेजी से बढ़ती महंगाई और भविष्य के अनिश्चितताओं को देखते हुए हर कोई बड़ा फंड इकट्ठा करना चाहता है। अगर आप भी अपने भविष्य के लिए एक बड़ा फाइनेंशियल गोल तय करना चाहते हैं तो सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। सिर्फ सुझावों के भरोसे न रहें। खुद शेयरों का मूल्यांकन करना सीखें। एसआईपी के जरिए नियमित रूप से छोटा-छोटा अमाउंट निवेश करके आप एक दिन करोड़पति बन सकते हैं। सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान की खूबी यह है कि आप छोटा-छोटा अमाउंट का इन्वेस्टमेंट करके बड़ा फंड इकट्ठा कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपकों बताएंगे कि आप आप 2,000 रुपये, 5,000 रुपये और 10,000 रुपये की एसआईपी करते हैं और उसे हर साल 10% बढ़ाते हैं, तो 1 करोड़ रुपये का फंड तैयार करने में कितना समय लगेगा। इस कैलकुलेशन के लिए हम मानते हैं कि आपके निवेश पर सालाना आधार पर 12% का रिटर्न मिलेगा, जो लंबे समय के निवेश में लॉर्ज कैप म्यूचुअल फंड के जरिए भी हासिल किया जा सकता है।

2,000 रुपये की एसआईपी (हर साल 10% बढ़ोतरी के साथ) : यदि आप 2,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 27 साल में 1.05 करोड़ रुपये का फंड हो जाएगा।

- टोटल इन्वेस्टमेंट अमाउंट : 29,06,399 रुपये
- एस्टीमेट रिटर्न : 75,81,135 रुपये
- टोटल वैल्यू : 1,04,87,533 रुपये

5,000 रुपये की एसआईपी (हर साल 10% बढ़ोतरी के साथ) : यदि आप 5,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 21 साल में 1.08 करोड़ रुपये का फंड हो जाएगा।

- टोटल इन्वेस्टमेंट अमाउंट : 38,40,150 रुपये
- एस्टीमेट रिटर्न : 70,22,858 रुपये
- टोटल वैल्यू : 1,08,63,008 रुपये

10,000 रुपये की एसआईपी (हर साल 10% बढ़ोतरी के साथ) : यदि आप 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 17 साल में 1.16 करोड़ रुपयेका फंड हो जाएगा।

- टोटल इन्वेस्टमेंट अमाउंट : 48,65,364 रुपये
- एस्टीमेट रिटर्न : 66,98,342 रुपये
- टोटल वैल्यू : 1,15,63,706 रुपये

गिरावट के दौरान बंद न करें एसआईपी

जब बाजार में गिरावट आती है तो कई निवेशक घबरा जाते हैं और एसआईपी बंद कर देते हैं। लेकिन वह एसआईपी जारी रखने का समय होता है, क्योंकि जब बाजार गिरता है तो कम कीमत में म्यूचुअल फंड की ज्यादा यूनिट मिलती है। लंबे समय में शेयर मार्केट हमेशा ऊपर जाता है, इसलिए गिरावट का लाभ उठाना चाहिए।

क्या है एसआईपी

एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान, म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करने का एक तरीका है। इसमें, निवेशक एक निश्चित राशि को पहले से तय समय पर निवेश करता है. यह निवेश साप्ताहिक, मासिक, तिमाही, अर्ध-वार्षिक, या वार्षिक आधार पर किया जा सकता है।

एसआईपी के फ़ायदे

- बाज़ार की अस्थिरता से बचने में मदद मिलती है।
- निवेशकों को नियमित रूप से बचत की आदत लगती है।
- कंपाउंडिंग व औसत लागत की शक्ति का लाभ मिलेगा।
- निवेशकों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलती है।
- निवेशकों को समयबद्ध तरीके से निवेश करने में मदद मिलती है।

हेल्थ इंश्योरेंस में सम इंश्योर्ड की अहम भूमिका

जानकारी | बिजनेस डेस्क

भास्कर नेरुरकर

अपने सम इंश्योर्ड को निर्धारित करना महत्त्वपूर्ण

यह आपको बताता है कि एमरजेंसी के समय आपके पास कितना कवरेज होगा

इंश्योरेंस में जानने लायक सबसे महत्त्वपूर्ण शब्द है सम इंश्योर्ड, हेल्थ इंश्योरेंस के संदर्भ में यह सबसे खास है. यह एक पॉलिसी वर्ष में आपके मेडिकल खर्चों के लिए आपकी इंश्योरेंस कंपनी द्वारा भुगतान की जाने वाली अधिकतम राशि को दर्शाता है। अपने सम इंश्योर्ड को निर्धारित करना महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इससे आपको पता चलता है कि कोई बीमारी या एमरजेंसी का सामना होने पर आपके पास कितना कवरेज होगा। हेल्थकेयर की लागत बढ़ रही है, ऐसे में सही सम इंश्योर्ड होने से आप मेडिकल ट्रीटमेंट पर आने वाले अधिक बिल से बच सकते हैं। हममें से बहुत से लोगों को सही कवरेज चुनना काफी मुश्किल लगता है। बुनियादी बातों को समझकर, आप अपने हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज के बारे में स्मार्ट निर्णय ले सकते हैं। इससे सुनिश्चित होता है कि आपके पास मेडिकल खर्चों को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए पर्याप्त फाइनेंशियल सहायता होगी। इसलिए, सही सम इंश्योर्ड होने का मतलब है अपने अप्रत्याशित हेल्थकेयर खर्चों के बारे में अधिक चिंता से मुक्ति।

अब आइए सम इंश्योर्ड के महत्त्व को समझते हैं

1. पर्याप्त हेल्थकेयर कवरेज लें

अपने हेल्थ इंश्योरेंस के लिए सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्वपूर्ण है। अगर आप बहुत कम सम इंश्योर्ड चुनते हैं, तो आपको मेडिकल बिल के लिए अतिरिक्त भुगतान करना पड़ सकता है और अगर आप इसे बहुत अधिक पर सेट करते हैं तो आपको ज़रूरी से अधिक प्रीमियम का भुगतान करना पड़ सकता है। सबसे अच्छा तो यह होगा कि आप ऐसा सम इंश्योर्ड चुनें, जो आपकी ज़रूरतों को प्रभावी रूप से कवर भी करे और बहुत अधिक महंगा भी न हो। इस तरह, आप बहुत अधिक प्रीमियम का भुगतान करने से बचते हुए यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपके पास अपने स्वास्थ्य खर्चों के लिए पर्याप्त सुरक्षा हो. सही संतुलन की तलाश करने से आपको फाइनेंशियल रूप से सुरक्षित रहने और किसी भी अप्रत्याशित मेडिकल खर्च या बीमारियों के लिए तैयार रहने में मदद मिलेगी। इससे आप बेफिक्र रहेंगे।

2. मन की शांति

सही सम इंश्योर्ड होने से आपको मन की शांति मिलती है। आप मेडिकल बिलों की चिंता किए बिना बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। पर्याप्त कवरेज के साथ, आप लागत के बारे में सोचे बिना सर्वश्रेष्ठ हेल्थकेयर चुन सकते हैं। यानी, यह जानते हुए अपनी रिकवरी पर ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं कि आप अप्रत्याशित खर्चों से सुरक्षित हैं। इससे आपको सुरक्षित महसूस करने में मदद मिलती है और आप इलाज के लिए भुगतान करने के तनाव के बिना तेज़ी से ठीक हो पाते हैं।

3. गंभीर बीमारियों के लिए कवरेज

गंभीर रोगों का सामना करते समय, इलाज का खर्च बहुत अधिक हो सकता है। कैंसर या हृदय रोग जैसी बीमारियों के लिए अक्सर महंगे उपचारों और हॉस्पिटल में लंबे समय तक रहने की आवश्यकता होती है। इसलिए अधिक सम इंश्योर्ड होना महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करता है कि आपके पास इन अप्रत्याशित मेडिकल खर्चों के लिए पर्याप्त कवरेज हो। पर्याप्त इंश्योरेंस के साथ, आप इलाज के लिए भुगतान करने की चिंता करने के बजाय बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं।

4. फैमिली कवरेज

फैमिली हेल्थ प्लान चुनते समय, ऐसी कवरेज राशि चुनना महत्वपूर्ण है, जो हर किसी की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा कर सके। अगर आपके परिवार में छोटे बच्चे और वृद्ध माता-पिता हैं, तो उन्हें अलग-अलग तरह की मेडिकल केयर की आवश्यकता पड़ सकती है। हर कोई सुरक्षित हो यह सुनिश्चित करने के लिए, हमेशा परिवार के प्रत्येक सदस्य की आयु, स्वास्थ्य स्थितियों और मेडिकल हिस्ट्री पर विचार करें। इस तरह, आप यह आत्मविश्वास महसूस कर सकते हैं कि आपके परिवार को उस समय सर्वश्रेष्ठ मेडिकल केयर मिलेगी, जब उन्हें इसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत होगी।

5. टैक्स लाभ

उच्च मेडिकल खर्चों से आपको सुरक्षित रखने के लिए हेल्थ इंश्योरेंस महत्वपूर्ण है, और यह टैक्स लाभ के साथ आता है जिससे आपको पैसे बचाने में मदद मिल सकती है। इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80डी के तहत, आप अपने हेल्थ इंश्योरेंस पर भुगतान किए गए प्रीमियम के लिए कटौती का क्लेम कर सकते हैं. सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्वपूर्ण है. उदाहरण के लिए, अगर आपके पास रु. 5 लाख के सम इंश्योर्ड की पॉलिसी है और आप रु. 15,000, का प्रीमियम देते हैं, तो आप इस राशि को अपनी टैक्स योग्य आय से घटा सकते हैं, जिससे आपके द्वारा देय कुल टैक्स कम हो जाता है। अगर आप अपने माता-पिता के हेल्थ इंश्योरेंस के लिए भी भुगतान कर रहे हैं, तो आप अतिरिक्त कटौती का क्लेम कर सकते हैं, जिससे आपको अधिक पैसे बचाने में मदद मिलती है. इस तरह, आप समझदारी भरा फाइनेंशियल निर्णय लेने के साथ ही अपने हेल्थकेयर और इनसे जुड़े खर्चों को सुरक्षित करते हैं। अपने हेल्थ इंश्योरेंस के लिए सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करता है कि सबसे अधिक आवश्यकता होने पर आपको फाइनेंशियल सुरक्षा और क्वालिटी हेल्थकेयर तक एक्सेस मिले. सूचित विकल्प चुनकर, आप खुद को और अपने परिवार को अप्रत्याशित मेडिकल खर्चों और जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षित करते हैं। सही सम इंश्योर्ड के साथ, आप लागत की चिंता किए बिना अपनी रिकवरी पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। आखिर में, यह मन की शांति, कॉम्प्रिहेंसिव कवरेज और फाइनेंशियल स्थिरता प्रदान करता है।

(लेखक हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन टीम, बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस के हेड हैं।)

खबर संक्षेप

छेड़छाड़ के मामले में शामिल दो गिरफ्तार

सोनीपत। मुरथल थाना क्षेत्र में नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ करने की वारदात में शामिल महिला सहित दो आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित सुखबीर निवासी खांडा जिला हिसार हाल में न्यू कृष्ण कॉलोनी व जींद निवासी एक महिला है। पुलिस ने आरोपितों को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। एक व्यक्ति ने गत 27 अप्रैल को पुलिस को शिकायत दी थी।

इंद्रपाल भाजपा मुंडलाना मंडल के अध्यक्ष नियुक्त

गोहाना। शनिवार को भाजपा गोहाना जिला अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने गांव शामड़ी निवासी इंद्रपाल को पार्टी मुंडलाना मंडल का अध्यक्ष नियुक्त किया। नवनियुक्त अध्यक्ष ने पार्टी नेताओं का आभार जताया। पिछले दिनों भाजपा मुंलाना मंडल के अध्यक्ष सुरेन्द्र नंबरदार की मृत्यु हो गई थी। वे जवाहरा गांव के थे। उसके बाद से यह पद रिक्त था। भाजपा गोहाना जिलाध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने इस पद पर पार्टी कार्यकर्ता इंद्रपाल की नियुक्ति की।

दुर्गाष्टमी के पर्व पर लगाया भंडारा

सोनीपत। दुर्गाष्टमी के शुभ अवसर पर फिम्स अस्पताल द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। प्रबन्ध निदेशक रजत जैन ने बताया कि इस धार्मिक भण्डारे में रोगियों के अभिभावकों, ईलाज के लिये आने वाले लोगों, आमजन, निकटवर्ती औधोगिक क्षेत्र के कर्मियों, ग्रामिणों व समस्त स्टाफ के अलावा राहगीरों सहित लगभग दो हजार व्यक्तियों ने हलवा, पूरी, सब्जी व रायता का प्रसाद ग्रहण किया। भण्डारा वितरण में फिम्स चेयरमैन आरपी जैन ने भाग लिया।

दुर्गा अष्टमी के त्योहार पर किया पौधरोपण

सोनीपत। विकास नगर में स्थित हरियाणा वैदिक स्कूल के पार्क में प्राचार्या डा. नीलम सांगवान ने दुर्गा अष्टमी के शुभ अवसर पर बेटी के संग पौधरोपण किया। इस शुभ अवसर पर 21 हर्बल पौधे भी बच्चों को वितरित किये व घर में लगाने, उसकी देख- रेख व पानी देने का आह्वान किया। डा. नीलम सांगवान ने सभी को दुर्गा अष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा कि मां दुर्गा की सभी पर कृपा व आशीर्वाद बना रहे। इस दौरान अनु कुमारी, गीतांजली, सोनिया, ज्योति, लक्ष्मी, काफी, देवांशी, भूमि, मनु आदि उपस्थित रहे।

दिल्ली विद्यापीठ में दुर्गा अष्टमी पर कन्या पूजन

सोनीपत। देवडू रोड स्थित दिल्ली विद्यापीठ में नवरात्रि के दौरान अष्टमी पर कन्या पूजन का आयोजन और मां दुर्गा की स्तुति हेतु बच्चों द्वारा गीत, कविताएं, गरबा और डांडिया नृत्य की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर विद्यालय संचालक वीर सिंह सैनी ने यत्र नारीस्य पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः के साथ सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं दी। आगे बताया कि भारतीय संस्कृति में नारी के हर एक रूप को पूजनीय माना गया है।

ठेका सफाई कर्मचारियों का जारी रहा धरना

सोनीपत। शहरी ठेका सफाई कर्मचारियों का धरना शनिवार को भी जारी रहा। लगातार 13 दिनों से विधायक निखिल मदान के कार्यालय के बाहर धरना दे रहे सफाई कर्मचारियों की अध्यक्षता अजय कुमार टांक ने की, संचालन नवीन चांवरिया ने किया। इस दौरान सफाई कर्मियों ने बताया कि विधायक निखिल मदान पहले जब मेयर थे, तब से वे संघर्ष कर रहे हैं। मेयर रहते निखिल ने आश्वासन दिया था लेकिन अभी तक उनकी एक भी मांग पूरी नहीं हुई है।

नए कानूनों से बीज का कारोबार हो जाएगा ठप

सोनीपत। जिला सोनीपत फर्टिलाइजर पेस्टीसाइड एंड सीड्स एसोसिएशन के प्रधान संजय सिंगला ने सरकार को सचेत करते कहा कि इस नए कानून में बीज, खाद या कीटनाशक के सैंपल जांच में सब स्टैंडर्ड पाए जाने पर कारावास और मोटे जुर्माने का प्रावधान किया गया है और इसे गैर जमानती अपराध की श्रेणी में डाला गया है, जो सरासर गलत है। इस तरह के कानून तो आतंकवादियों के लिए बनाए जाते हैं।

दिल्ली रोड पर भोगल अस्पताल के सामने पार्क से लोग परेशान

नशेड़ियों और शराबियों के लिए जन्नत बना पार्क, 150 से ज्यादा सीरींज मिली

पार्क के पास में ही शराब ठेका, नशेड़ी खुलेआम छलकाते हैं जाम

पुलिस प्रशासन को कैबिनेट मंत्री डॉ. शर्मा के आदेशों की परवाह नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

एक ओर तो प्रदेश सरकार नशे के खिलाफ लगातार अभियान चल रही है। कभी साइकिल तो कभी मैराथन आयोजित की जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर जिले में नशाखोरी कम होने के बजाए लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। नशाखोरी के बढ़ते मामलों से संबंधित एक केस दो दिन पहले मंत्री के भी सामने आया था, लेकिन कार्रवाई नहीं की गई। यह मामला दिल्ली रोड पर भोगल अस्पताल के सामने बने पार्क का है। पार्क में नशे का धंधा जोर पकड़ता जा रहा है। पार्क की हालात बता रही है कि यहां पर युवा जमकर नशा कर रहा है। क्योंकि पार्क में जगह जगह 150 से अधिक सीरींज खाली पड़ी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शाम के समय यहां पर नशेड़ियों का ऐसा जमघट लगता है कि स्थानीय लोगों को निकलना दुभर हो जाता है। इसके संदर्भ में शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा को भी शिकायत की गई थी। लघु सचिवालय में जब मंत्री के समक्ष शिकायत की गई थी तो उन्होंने पुलिस कमिश्नर को निर्देश दिए थे। इसके बावजूद यहां पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोगों ने बताया कि सिर्फ नशेड़ी ही नहीं बल्कि शराबियों के लिये भी यह जगह जन्नत बनी हुई है। क्योंकि पास में ही शराब ठेका भी है। जहां पर कुछ लोग खुलेआम जाम छलकाते हैं। वहीं कुछ लोग ठेके से शराब खरीदकर पार्क में बैठकर सेवन करते हैं। इस तरह से नशेड़ियों और शराबियों की वजह से लोगों को परेशानी हो रही है। राहगीरों को भी दिक्कत होती है। रोजाना कोई ना कोई लड़ाई झगड़ा भी हो जाता है। मंत्री को दी थी शिकायतः नशेड़ियों और शराबियों की कारस्तानी के बारे में लोगों ने शुक्रवार को लघु सचिवालय में कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा को भी अवगत कराया था। अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करने पहुंचें डॉ. अरविंद शर्मा ने इसे काफी गंभीर मुद्दा बताया था और पुलिस आयुक्त नाजनीन भसीन को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बावजूद स्थानीय लोग यह सवाल उठा रहे हैं कि जब समस्या पुरानी है और सबको इसकी जानकारी है, तो अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

सोनीपत। पार्क में पड़ी सीरींज और नशे की दवाइयां। फोटो :हरिभूमि

जागरूकता अभियान चलाए जा रहे

नशे पर नकेल के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। हाल ही में अनेक मामलों के खुलासे में कामयाबी हासिल करते हुए आरोपितों को भी पकड़ा है। नशे के खिलाफ नागरिकों को जागरूक करने के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। *नाजनीन भसीन, पुलिस आयुक्त, सोनीपत।*

कार्रवाई की उठाई मांग

नशे के खिलाफ चल रही सरकारी मुहिम और जागरूकता अभियानों के बावजूद हालात में कोई सुधार नहीं दिख रहा है। सामाजिक संगठनों और स्थानीय निवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ऐसे स्थानों पर कड़ी निगरानी रखी जाए, कैमरे लगाए जाएं व दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

हालांकि, अब पुलिस कमिश्नर की ओर से इस मामले में जांच के आदेश संबंधित पुलिस थाना को दिए गए हैं।

गोहाना। विजेताओं खिलाडियों को सम्मानित करते उनके कोच। फोटो :हरिभूमि

टेनिस टूर्नामेंट में अंजलि चंचल की जोड़ी द्वितीय

- एआईटीए द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस खेल अकादमी में लड़कियों की टेनिस टूर्नामेंट आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

एआईटीए (ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन) द्वारा गांव मदीना में गोहाना-महम मार्ग स्थित नेताजी सुभाष चन्द्र बोस खेल अकादमी में लड़कियों के लिए राष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट आयोजित की गई। टूर्नामेंट में विभिन्न राज्यों से महिला खिलाडियों ने प्रतिभागिता करके अपनी प्रतिभा का दम दिखाया। अध्यक्षता अकादमी के संचालक पहलवान अजमेर मलिक ने की। टेनिस टूर्नामेंट 31 मार्च से 4 अप्रैल तक आयोजित हुई जिसमें अंडर-16 और अंडर-18 वर्ग की लड़कियों ने प्रतिभागिता की। टूर्नामेंट के डबल वर्ग में मेजबान खेल अकादमी की खिलाड़ी अंजलि और चंचल की जोड़ी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। टूर्नामेंट के एकल वर्ग में अकादमी की मेधावी खिलाड़ी अंजलि दलाल ने क्वार्टरफाइनल मुकाले में मध्यप्रदेश की अवनि को 6-2, 6-2 अंक और सेमीफाइनल मुकाबले में इंदौर की रशिमा को 3-6, 7-5 और 6-0 अंक के अंतर से पराजित करके दूसरा स्थान हासिल किया। विजेताओं को संचालक पहलवान अजमेर, टेनिस कोच सोमबीर मलिक, कुश्ती कोच दीपिका, जिम संचालक बादल व प्राचार्या पूनम ने अपना आशीर्वाद देकर उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यकर्ता अपने घरों पर भाजपा के झंडे लगाएं : प्रदीप

गोहाना। शनिवार को भाजपा के बरोदा हलका से पूर्व प्रत्याशी एवं भाजपा स्थापना दिवस के जिला गोहाना के प्रभारी प्रदीप सांगवान ने गोहाना स्थित कार्यालय पर कार्यकर्ताओं से रूबरू हुए। उनके अनुसार भाजपा द्वारा 6 अप्रैल को अपना स्थापना दिवस मनाया जाएगा। पार्टी कार्यकर्ता इस दिन अपने घरों पर पार्टी के झंडे लगाएं। प्रदीप सांगवान ने कहा कि झंडा किसी भी संगठन की पहचान व उसके सम्मान का सूचक होता है। ऐसे में भाजपाई पार्टी के स्थापना दिवस पर अपने घरों पर पार्टी का झंडा लगाएं। डॉ. राममेहर राठी, जितेन्द्र शर्मा, सूरत सिंह, ओमवीर वत्स, रामबीर पूनिया व रामनिवास सांगवान आदि उपस्थित रहे।

मेहनत करोगे तो कामयाबी जरूर मिलेगी : राजबीर शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

मेहनत करने वाले की कभी हार नहीं होती। जो विद्यार्थी मेहनत करते हैं वही एक दिन अपनी मंजिल हासिल करके कामयाब इंसान बनते हैं। जरूरत केवल मन में दृढ़ संकल्प, सकारात्मक सोच व लक्ष्य के साथ मेहनत करने की होती है। यह बात शहर में महम मार्ग स्थित एमआर विद्यालय के एमडी राजबीर शर्मा ने कही। वे विद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ पर आयोजित गोष्ठी में विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। एमडी राजबीर शर्मा ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्ति के लिए मेहनत करना बेहद जरूरी है। सफलता पाने के लिए एक बार मेहनत करने से काम नहीं चलता अपितु बिना थके लगातार कड़ी मेहनत के साथ आगे बढना होता है। उन्होंने कहा कि जीवन में असफलता से कभी निराश मत होना अपितु उस विकट परिस्थिति से कुछ नया सीखकर सकारात्मक सोच और नई ऊर्चा के साथ आगे बढने की जरूरत होती है। एमडी राजबीर शर्मा ने कहा कि मेहनत का फल हमेशा मीठा होता है। हमेशा मेहनत करते रहें और सफलता का आनंद प्राप्त करें।

जीवन में कामयाब होने के लिए ड्रग व मोबाइल से बनाएं दूरी : अमोघ लीला

- डीक्रस्ट में नशा विरोधी अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

दिल्ली, द्वारका इस्कॉन के उपाध्यक्ष अमोघ लीला प्रभु ने कहा कि अगर युवा अपने जीवन में कामयाब होना चाहते हैं तो पढाई के दौरान ड्रग व मोबाइल से दूरी बना ले। कहा अमेरिका के 28 % युवा स्नातक है, जबकि अमेरिका में रहने वाले भारतीय 78 % स्नातक है दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि, मुरथल के दीनदयाल उपाध्याय सभागार में ड्राइव अग्नेस्ट ड्रग्स पर कार्यक्रम का आयोजन किया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने की, जबकि मुख्य वक्ता दिल्ली, द्वारका इस्कॉन के उपाध्यक्ष अमोघ लीला प्रभु रहे। लीला ने कहा कि हमारा देश सबसे तेजी से विकास कर रहा है। हमारे देश की सेना विश्व की सबसे बड़ी सेना है। हमारी सेना की संख्या लगभग 18 लाख है। देश की सीमा की रक्षा करने के लिए हरियाणा के नौजवान सबसे ज्यादा सेना में जाते हैं। कहा कि पाकिस्तान व चीन हमारे युवाओं को ड्रग्स के माध्यम से कमजोर करना चाहता है।

कार्यक्रम में मुख्यातिथि के साथ वीसी साथ में डा. विजयपाल नैन एवं अन्य।

छात्राओं ने अभिनय से सबको मंत्रमुग्ध किया

गोहाना। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान द्वारा गुढ़ा रोड पर संचालित गीता विद्या मंदिर में शनिवार को रामनवमी की पूर्व संध्या पर मां के नौ रूपों की स्तुति कर महत्व समझाया गया। नव दुर्गा के रूप में शिशुवाटिका से परी ने शैलपुत्री, यंशि ने ब्रह्मचारिणी, तृप्ति ने चंद्रघंटा, भावना ने कुष्मांडा, भव्या ने स्कंदमाता, भुवी ने कात्यायनी, शिवि ने कालरात्रि, नायरा ने महागौरी और भव्या ने सिद्धिदात्री का रूप लिया। छात्राओं ने अपने अभिनय से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह की अध्यक्षाता प्राचार्य अश्वनी कुमार ने की। उन्होंने कहा कि दुर्गा अष्टमी व रामनवमी का सनातन संस्कृति में अति महत्व है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार राक्षसों को मारने के बाद मां कालरात्रि देवी दुर्गा के सामान्य रूप में प्रकट हुई और सभी देवताओं ने देवी दुर्गा की स्तुति की। नव दुर्गा के रूप में शिशुवाटिका से परी ने शैलपुत्री, यंशि ने ब्रह्मचारिणी, तृप्ति ने चंद्रघंटा, भावना ने कुष्मांडा, भव्या ने स्कंदमाता, भुवी ने कात्यायनी, शिवि ने कालरात्रि, नायरा ने महागौरी और भव्या ने सिद्धिदात्री का रूप लिया। मां दुर्गा को ब्रह्मांड के निर्माण, विनाश और संरक्षण के पीछे की शक्ति के रूप में जाना जाता है। रामनवमी के दिन प्रभु श्रीराम का जन्म हुआ था।

मां के नौ रूपों की स्तुति के साथ मनाई रामनवमी

गोहाना। मां दुर्गा के नौ रूपों में सजी विद्यालय की छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

नगर निगम मेयर ने विश्राम गृह में की बैठक

व्यापारियों से अनुरोध, शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में सहयोग करें: जैन

- राजीव जैन ने बैठक में व्यापारियों से मांगें सुझाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

नगर निगम मेयर राजीव जैन व्यापारियों से अनुरोध किया कि शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सहयोग करें, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन अनुसार यह व अभियान जन भागीदारी के बिना सफल नहीं हो सकता।

नगर निगम की पहल पर लोक निर्माण विश्राम गृह में आयोजित बैठक में स्वच्छता के साथ-साथ अतिक्रमण, लावारिस पशु, लावारिस शव का दाह संस्कार, चौक चौराहों की सुंदरता, सार्वजनिक शौचालयों का रखरखाव जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में नगर निगम आयुक्त हर्षित कुमार ने व्यापारियों से सुझाव मांगे और समस्याओं के बारे में जवाब दिया। व्यापार मंडल के प्रधान संजय सिंगला ने व्यापार भवन बनाने, लावारिश शव के दाह संस्कार का अधिकार करनाल की बजाए सोनीपत की संस्था को देने, रैन बसेरों की व्यवस्था ठीक करने, कूड़े की गाड़ी रात को भेजने, बाजारों स्ट्रीट लाइट ना जलने, सीसीटीवी कैमरे ठीक करवाकर अन्य बाजारों में भी लगवाने का सुझाव दिया। मेयर राजीव जैन ने कहा कि व्यापार को सुगम बनाने और आम नागरिकों की सुविधा के लिए आपके सुझाव पर अमल किया जाएगा। बंदरों की समस्या पर कहा कि जल्दी टेंडर लगवाकर पकड़वाने की व्यवस्था की जाएगी।

सोनीपत। बैठक के दौरान व्यापारियों के साथ मेयर राजीव जैन साथ में अन्य। फोटो : हरिभूमि

बैठक में ये रहे मौजूद

इस दौरान जिला व्यापार मंडल के चेयरमैन संजय वर्मा, महासचिव नरेंद्र धवन, संरक्षक नवीन मंगला, कोषाध्यक्ष रविन्द्र सरोहा, शहरी कार्यकारी अध्यक्ष पवन तनेजा, शशिकांत भारद्वाज, जतिन डेंबला, सतीश बिन्नी, राकेश चोपड़ा, यशपाल अरोड़ा, राजेंद्र चांदना, दर्शन लाल जैन, कमल हसीजा, नरेश छाबड़ा, रामप्रकाश हुडडा, दिनेश कुच्छल, अजय गर्ग बबलू, राजकुमार शर्मा आदि शामिल रहे।

नागरिक नशे से रहे दूरः डॉ. तरन्नुम

रोहतक। जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरजा कुलवंत कलसन के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान ने स्थानीय पीजीआईएमएस स्थित राज्य नशा मुक्ति केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने इस केंद्र में उपचार ले रहे मरीजों से मुलाकात की तथा उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने इस केंद्र में उपचाराधीन मरीजों को नशे की लत छोड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हर प्रकार के नशे से दूर रहे। नशे की लत से जीवन बर्बाद हो जाता है। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 24 अप्रैल को जिला के इस्माइला गांव स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सुबह 9 बजे मेगा सर्विस कैंप का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आसपास के सभी ग्रामवासी अपनी लंबित समस्याओं जैसे प्रॉपर्टी टैक्स, परिवार पहचान पत्र, पानी बिल, बिजली बिल, आधार कार्ड में सुधारीकरण आदि का मौके पर निपटारा करवा सकते है। इसी प्रकार प्राधिकरण द्वारा आगामी 10 मई को स्थानीय न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा, जिसमें नागरिक लंबित मुकदमों को रखवा कर शीघ्र निपटारा करवा सकते है। राष्ट्रीय लोक अदालत में चालान भी निपटवाए जा सकते है।

खबर संक्षेप

ओरिएंटेशन प्रोग्राम का किया आयोजन

रोहतक। शनिवार को पठानिया स्कूल में नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत में कक्षा नर्सरी से बारहवीं के विद्यार्थियों के नए बैच के स्वागत के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 550 से अधिक विद्यार्थी एवं उनके अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन पठानिया वर्ल्ड कैम्पस में किया गया। ओरिएंटेशन प्रोग्राम का उद्देश्य नए विद्यार्थियों को स्कूल की कार्यप्रणाली व नियमों से अवगत कराना रहा। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय निदेशक अंशुल पठानिया, को-फाउंडर वर्षा पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उप-प्रधानाचार्या प्रीति ढांडा, सुनीता मोर, हैड मिस्ट्रेस सुमन राठी ने किया। इसके बाद गुरु-शिष्य परंपरा पर विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी गई। मंच संचालन प्रभा शर्मा व रजनी गुलाटी ने किया। उन्होंने स्कूल की शिक्षण विधि व सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। इस दौरान विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों ने क्लास रूम, कम्प्यूटर लैब, रोबोटिक्स लैब, लाइब्रेरी, प्ले ग्राउंड आदि का भ्रमण किया।

प्रदेश के लोगों की जनभावना कांग्रेस के साथ : दीपेन्द्र

गोहाना। सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भाजपा ने जोड़-तोड़ करके हरियाणा प्रदेश में सत्ता हासिल कर ली हो लेकिन जनभावना आज भी कांग्रेस के साथ है। लोगों की कांग्रेस के प्रति यही भावना पार्टी सबसे बड़ी ताकत है। वे शनिवार को गोहाना में बरोदा रोड पर कांग्रेस बरोदा विधानसभा के कार्यालय का उद्घाटन करने पहुंचे थे। समारोह की अध्यक्षता विधायक इंदुराज नरवाल ने की। दीपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कहा कि बीते चुनाव में पूरे प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में माहौल था। लोकसभा चुनाव में हरियाणा से कांग्रेस पार्टी के 5 सांसद चुनकर आए। 28 प्रदेशों में विपक्ष का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन हरियाणा में हुआ। विपक्ष को सबसे ज्यादा 48 प्रतिशत मत कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में नहीं अपितु हरियाणा में मिला। विधानसभा चुनाव में थोड़ी कसर रह गई। फिर भी कांग्रेस पार्टी के 37 विधायक चुने गए और मत प्रतिशत भी बीजेपी के बराबर आया। बाबा भले गिरि जी महाराज, सांसद पं. सतपाल ब्रह्मचारी, पूर्व सांसद धर्मपाल मलिक, पूर्व विधायक जगबीर सिंह मलिक, विधायक बलराम दांगी मौजूद थे।

विभिन्न संगठनों ने जगजीवन राम को किया याद

गोहाना। गोहाना में विभिन्न सामाजिक संगठनो के पदाधिकारियों ने बाबू जगजीवन राम को नमन किया। श्रद्धांजलि समारोह जयंती पर समता चौक स्थित जगजीवन राम के प्रतिमा स्थल पर आयोजित किया गया। संगठनों के प्रतिनिधि धर्मवीर मदीना, अशोक बामनिया और रामू रामपाल वाल्मिकी ने कहा कि भारतीय राजनीति के इतिहास में बाबू जगजीवन राम का नाम एक ऐसे नेता के रूप में दर्ज है, जिन्होंने न केवल सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष किया अपितु स्वतंत्र भारत के निर्माण और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान बाबू जगजीवन राम भारत के रक्षा मंत्री थे। उनके नेतृत्व में भारतीय सेना ने पाकिस्तान पर ऐतिहासिक विजय प्राप्त की और बांग्लादेश का निर्माण हुआ। जेई धर्मपाल, सेवानिवृत्त प्राचार्य राममेहर मान और जगशेर नूरनखेड़ा ने कहा कि बाबू जगजीवन राम ने भारतीय संविधान में सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समारोह में पूर्व सरपंच बिजेंद्र चहल, सतीश उरलाना, पूर्व सरपंच मुकेश पाटिल, सेवानिवृत प्राचार्य रमेश मौजूद रहे।

पांच प्रभु भेजे आश्रम, कुल संख्या पहुंची 232 तक

सोनीपत। समाज कल्याण शिक्षा समिति व सब इंस्पेक्टर जगत सिंह द्वारा बेसहारा, मंदबुद्धि (प्रभु) को दिल्ली स्थित आश्रमों में भेजने का अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पिछले दिनों पांच प्रभु को आश्रम भेजा गया। इसके साथ ही मुहिम के तहत समिति द्वारा अब तक कुल 232 प्रभु को घर भेजा जा चुका है। समिति के प्रधान आनंद कुमार ने बताया कि 228 वीं महिला प्रभु राई से भेजी गई। 229 वीं महिला प्रभु बहालगढ़ से और 230 वीं महिला प्रभु सिविल लाइन सोनीपत से भेजी गई। इसके साथ ही 231 और 232 वीं महिला प्रभु गाव तिहाड़ से भेजी गई। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि देर शाम को रक्षक सेना के सदस्य राकेश और मनोज को एक महिला प्रभु (मंदबुद्धि) गांव तिहाड़ खुर्द के पास मिली। तुरन्त 112 पर कॉल की गयी, थाना सदर एसएचओ से बात करके थाने से महिला कांस्टेबल पूजा के साथ महिला को लाया गया। जहां से अस्पताल में महिला का मेडिकल करवाया गया। इसके उपरांत रात को करीब 10 बजे वन-स्टॉप-सेंटर मे भेजा गया।

खबर संक्षेप

मंडोरी के खेत से सोलर पंप की मोटर चोरी

खरखौदा । मंडोरी के खेत से सोलर पंप की मोटर चोरी हो गई है। किसान सत्यवान का कहना है कि उसने सौर ऊर्जा से चलने वाला पंप लगाया हुआ है।गत 31 मार्च को जब वह अपने खेत में गया, तो तब तक मोटर लगी हुई थी। लेकिन अगले दिन वह खेत में गया तो उसे मोटर नहीं मिली। उसने अपने स्तर पर मोटर की तलाश की, लेकिन नहीं मिलने पर अब उसने चोरी की घटना की सूचना दी है। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

तन्वी लठवाल ऑस्ट्रेलिया की नंबर 1 शूटर बनी

सोनीपत। ऑन्टोजेनी स्कूल की छात्रा तन्वी लठवाल ने जूनियर शूटिंग में कमाल कर दिखाया है।

10वीं की छात्रा तन्वी मूल रूप से गांव चिटाना की रहने वाली है और काफी समय से शूटिंग खेल में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही है। तन्वी हाल ही में ऑस्ट्रेलिया की नंबर 1 जूनियर शूटर बनी है। जूनियर वर्ल्ड कप के लिए तन्वी ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेलेगी। विद्यालय प्रबंधन ने तन्वी की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने बताया कि तन्वी एक होनहार छात्रा और खिलाड़ी हैं। इसी वजह से विदेशों में भी वह नाम कमा रही है। तन्वी की उपल्ब्धि से ग्रामीणों में खुशी की लहर है।

शिविर में स्वयंसेवकों ने दिखाई प्रतिभा

सोनीपत। हिसार में 30 मार्च से 5 अप्रैल तक एनएसएस का राज्य स्तरीय शिविर आयोजित किया गया। जिसमें सोनीपत जिले के 40 विद्यालयों की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों से 32 स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया था। 16 स्वयंसेवक तो 16 स्वयंसेविकाएं शामिल थी। लिा संयोजक पवन ने बताया कि शिविर में स्वयंसेवकों ने निबंध लेखन, मेहंदी, रस्साकसी, बाल पासिंग में प्रथम, नारा लेखन व कबड्डी में द्वितीय, पेंटिंग में तीसरा स्थान हासिल किया।

बैटरी की दुकान पर गए युवक का सुराग नहीं

गन्नौर। बैटरी की दुकान पर काम के लिए गए युवक का सुराग नही लगा। परेशान युवक की पत्नी ने पुलिस में मामला दर्ज करवाया। पुलिस को दी शिकायत में बेगा रोड निवासी बबीता ने बताया कि वह बेगा रोड पर शिव मन्दिर गन्नौर की रहने वाली है। मेरी पति ने गन्नौर अड्डा पर बैटरी की दुकान कर रखी है। मेरा पति 2 अप्रैल को प्रतिदिनि की तरह दोपहर को खाना खाकर दुकान पर गया था वह वापिस नही आया। शिकायत में बताया कि उसकी रिश्तेदारी में तलाश की लेकिन कोई सुराग नही।

सेवानिवृत्त पुलिस अफसरों व कर्मचारियों ने की बैठक

सोनीपत। सोनीपत पुलिस सेवानिवृत अधिकारी/कर्मचारी की मासिक बैठक प्रधान जयपाल खोखर की अध्यक्षता में पुलिस लाइन में संपन्न हुई। बैठक में 75 कर्मचारी/अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान अपनी मांगों को दोहराया। इसमें मेडिकल भत्ता 3 हजार रुपये करने, पेंशन बढ़ोतरी में वृद्धि, कैसलेस सुविधा शीघ्र शुरू करने, पेंशनर के आश्रितों को एलटीसी सुविधा दी जाए, सीनियर सिटीजन को रेलवे में छूट दोबारा लागू की जाए प्रमुख रूप से शामिल रही।

रेपिड रेल प्रोजेक्ट : जमीन की तलाश में एनसीआरटीसी

दिल्ली से करनाल तक के रेपिड रेल प्रोजेक्ट के लिए चाहिए साइट कार्यालय की जमीन

पहले भिगान के पास जमीन की थी फाइनल, लेकिन एनएचएआई का था स्वामित्व

■ जमीन मिलने के बाद शुरू हो जाएगा प्रोजेक्ट पर काम

■ अब अपोलो इंटरनेशनल स्कूल के पास की जमीन का हुआ निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

जीटी रोड के साथ-साथ प्रस्तावित दिल्ली-करनाल रेपिड रेल प्रोजेक्ट को अब पंख लग चुके हैं। आए दिन कुछ ना कुछ अपडेट हो रहे हैं। इसी बीच राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने सोनीपत में साइट कार्यालय और निर्माण कार्य के लिये जरूरी जमीन को तलाशना शुरू कर दिया है। पता चला है कि इसके लिये जिला प्रशासन से भी मदद मांगी गई है। हालांकि इस तरह का प्रयास कुछ समय पहले भी हो चुका है, लेकिन उस समय नेशनल हाईवे अथ्योरिटी ऑफ इंडिया ने जमीन देने से मना कर दिया था। अब फिर से जमीन पर काम किया जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही जमीनी स्तर पर काम शुरू हो जाएगा, जिसके बाद सोनीपत, पानीपत और करनाल की दूसरी लाइफ लाइन पर काम होगा।

बता दें कि रैपिड रेल प्रोजेक्ट सोनीपत ही नहीं बल्कि पानीपत और करनाल के निवासियों के लिये बहुत प्रतिक्षित प्रोजेक्ट है। सालों से इस प्रोजेक्ट पर चर्चा तो होती रही, लेकिन जमीनी स्तर पर काम शुरू नहीं हुआ। लेकिन कुछ माह पहले इस प्रोजेक्ट को लेकर जब प्रधानमंत्री कार्यालय ने शुरूआत की तो धरातल पर काम होना शुरू हो गया। बता दें कि इस प्रोजेक्ट के जरिए सोनीपत न केवल दिल्ली से सीधे जुड़ जाएगा, बल्कि यहां के लोगों को अत्याधुनिक परिवहन प्रणाली का लाभ भी मिलेगा। दिल्ली से करनाल तक प्रस्तावित इस कॉरिडोर में सोनीपत एक प्रमुख स्टेशन के रूप में शामिल है, जिससे यहां पर रोजगार, विकास और व्यापार की संभावनाएं काफी बढ़ जाएंगी।

>> भिगान के पास चिन्हित की थी जमीन

बता दें कि एनसीआरटीसी ने पहले साइट कार्यालय और निर्माण कार्य के लिये जरूरी जमीन के तौर पर भिगान टोल प्लाजा के पास जमीन को चिह्नित किया था, लेकिन यह जमीन नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधीन थी। जिसकी वजह से यह जमीन एनसीआरटीसी को हस्तांतरित नहीं की गई। एनएचएआई ने स्पष्ट तौर पर इस भूमि को देने से इनकार कर दिया, जिसके चलते परियोजना की रफ्तार पर अस्थाई विराम लग गया था।

स्कूल के पास भूमि का हुआ निरीक्षण

एनएचएआई के इंकार करने के बाद एनसीआरटीसी के अधिकारियों ने जीटी रोड स्थित अपोलो इंटरनेशनल स्कूल के पास स्थित भूमि का निरीक्षण किया है। अधिकारियों का मानना है कि यदि यह भूमि उपयुक्त पाई जाती है और कानूनी व अधिकारिक प्रक्रियाएं शुरू करवाई जाएंगी। जिसके बाद ही रैपिड रेल परियोजना का निर्माण कार्य शुरू हो सकता है।

बातचीत चल रही

जमीन चिन्हित करने की प्रक्रिया में एनसीआरटीसी अधिकारियों के साथ बातचीत चल रही है। राजस्व विभाग और शहरी स्थानीय निकाय के अधिकारी लगातार दौरे कर रहे हैं ताकि भूमि को लेकर कोई कानूनी अड़चन न आए।
डॉ. मनोज कुमार, उपायुक्त, सोनीपत।

बैठक के दौरान उपस्थित जजपा पदाधिकारी साथ में कार्यकर्ता एवं अन्य।

जजपा कार्यकर्ता बीजेपी की नीतियों के खिलाफ करेंगे जागरूक : देवेंद्र

■ जेजेपी के संगठन का होगा विस्तार, प्रभारी ने जिला स्तरीय बैठक कर ली कार्यकर्ताओं की राय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

बहालगढ़ रोड स्थित कोजेट होटल पर जननायक जनता पार्टी की जिला स्तरीय मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें पार्टी की राष्ट्रीय, प्रदेश और जिला समेत सभी कार्यकारिणीयों के पदाधिकारी मौजूद रहे। इस मीटिंग की अध्यक्षता पूर्व जिला परिषद के चेयरमैन पार्टी जिला अध्यक्ष राज सिंह दहिया ने की और मुख्यथिति के तौर पर नवनियुक्त जिला प्रभारी देवेन्द्र कादयान ने शिरकत की। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के तौर पर सह प्रभारी संजय दलाल और मीना मकड़ौली भी पहुंची। यहां पहुंच कर उन्होंने पार्टी के संगठन के पुर्ननिर्माण के लिए सबसे पहले जिले के सभी कार्यकर्ताओं से विचार विमर्श किया तथा गत दिनों पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में हुए निर्णयों से अवगत करवाया। पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं ने जोश के साथ सर्वसमिति से कहा कि पार्टी हाईकमान का जो भी निर्णय होगा उसका सम्मान करते हुए पार्टी संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे। प्रभारी देवेंद्र कादयान ने कहा कि जननायक जनता पार्टी जल्दी ही मेहनती और कर्मठ कार्यकर्ताओं को संगठन में विभिन्न पदों के लिए जिम्मेदारी दी जाएगी। संजय दलाल ने कार्यकर्ताओं से कहा कि पार्टी कार्यकर्ता ही पार्टी के असली योद्धा होते है।

विद्याभिषेकम : नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ

■ शिवा शिक्षा सदन में कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

शिवा शिक्षा सदन में वार्षिक कार्यक्रम 'विद्याभिषेकम 2025' के माध्यम से नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक हवन के साथ हुई, जिससे सम्पूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मकता से परिपूर्ण हो गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसीपी, सोनीपत अजीत सिंह रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासन, समर्पण और निरंतर छोटे-छोटे लक्ष्यों की प्राप्ति ही दीर्घकालिक सफलता की कुंजी है। उन्होंने युवाओं को स्पष्ट दिशा में आगे बढ़ने और आत्म-नियंत्रण के साथ जीवन जीने की प्रेरणा दी। विद्यालय के निदेशक अरुण बंसल ने विद्यार्थियों को नए सत्र के लिए शुभकामनाएं दी। विद्यालय ने क्यू एंड आई स्कूल इंटीग्रेटेड प्रोग्राम आरंभ किया है, जिसके अंतर्गत आईआईटीएन व अनुभवी डॉक्टरों द्वारा जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विद्यालय परिसर में ही कराई जाती है। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रतिभाशाली छात्रा हिति बंसल की उपलब्धियों की भी सराहना की गई। उन्हें भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा 'रीडिंग टॉर्च अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने प्रबंधक वीरेंद्र बंसल, सचिव हंसराज तनेजा तथा प्रधानाचार्या अल्का विज का आशीर्वाद प्राप्त किया।

सोनीपत ।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते विद्यालय निदेशक।

महर्षि कश्यप जयंती पर विधायक का सम्मान

संतों के बताए मार्ग पर चलकर ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

शनिवार को पुरखास और शेखपुरा गांव में महर्षि कश्यप जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक देवेंद्र कादियान पहुंचे। गांव पहुंचने पर कश्यप समाज के लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। विधायक ने महर्षि कश्यप के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। कादियान ने कहा कि महर्षि कश्यप सभी धर्मों का सम्मान करते थे। उनके बताए रास्ते पर चलकर समाज को बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य है कि हम अपने महापुरुषों के बलिदान और त्याग को याद रखें। संतों के मार्ग पर चलकर ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने समाज में एकता की जरूरत पर जोर दिया। इस मौके पर बिल्लू कश्यप, ओमप्रकाश कश्यप, डॉ. कर्ण सिंह, रणवीर सिंह, शिव कुमार, हवासिंह, मुकेश, चंद्रभान, चांद और महेंद्र मौजूद रहे।

गन्नौर । विधायक देवेन्द्र महर्षि कश्यप के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन करते हुए।

एसीपी के नेतृत्व में एसआईटी गठित

भाजपा मंडल अध्यक्ष हत्याकांड की नए सिरे से जांच होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

भाजपा के मुंडलाना मंडल के अध्यक्ष सुरेंद्र नंबरदार हत्याकांड की जांच अब नए सिरे से होगी। मुख्यमंत्री के आदेश पर एसआईटी गठित की गई है। शुरूआत में जमीनी विवाद के चलते नंबरदार की हत्या की बात सामने आई थी लेकिन बाद में स्वजन सरपंच चुनाव की रंजिश के चलते हत्या करने की बात कहने लगे। एसआईटी ने नंबरदार हत्याकांड में गिरफ्तार हुए मुख्य आरोपित मनु को दोबारा रिमांड पर लिया है। आरोपित से पुलिस दोबारा से पूछताछ कर रही है। पुलिस पहले नंबरदार की हत्या में तीन आरोपित गिरफ्तार कर चुकी है। गांव जवाहरा के सुरेंद्र नंबरदार भाजपा के मुंडलाना मंडल के अध्यक्ष थे। वे 15 मार्च की रात को पत्नी कोमल के साथ पशुबाड़े में काम करके घर लौट रहे थे। रास्ते में उनको पड़ोसी सुल्तान भी मिला था। जब वे थोड़ा आगे गए थे तब गांव के मनु ने सुरेंद्र की गालियां मारकर हत्या कर दी थी। कोमल ने कहा था कि मनु ने उसके पति सुरेंद्र की जमीनी विवाद के चलते हत्या की। सुरेंद्र ने मनु की बुआ और ताऊ के लड़के की जमीन खरीदी थी, जिसके चलते वह और उसके रंजिश रखते थे।

जीवीएम गर्ल्स कालेज में बेटियों के विकास को बढ़ावा देने पर मंथन

■ पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ किया केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

अभिभावकों-शिक्षकों और छात्राओं के बीच सहयोगात्मक माहौल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जीवीएम गर्ल्स कालेज में विज्ञान तथा वाणिज्य संकाय की पैरेंट्स टीचर्स मीट (पीटीएम) का आयोजन किया गया। जीवीएम संस्थामओं के प्रधान डा. ओपी परूथी व प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने आयोजन की बधाई देते हुए अभिभावकों को भरोसा दिया कि बेटियों के सुखद भविष्य के लिए कालेज प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

पीटीएम में अभिभावकों ने हिस्सा लेते हुए अपनी बेटियों की शिक्षा, क्षमता और भविष्य को लेकर विस्तार से शिक्षकों के साथ चर्चा की। पीटीएम के माध्यम से शिक्षकों व अभिभावकों के संयुक्त प्रयासों से छात्राओं के स्वर्णिम भविष्य निर्माण को मजबूती देना रहा। मंथन किया गया कि किस प्रकार से बेटियों के विकास को बढ़ावा दिया जा सकता है, जिसमें शिक्षा के साथ व्यावसायिक विकास शामिल रहा।

जीवीएम गर्ल्स कॉलेज में उपस्थित कॉलेज स्टाफ एवं अभिभावक।

राई। पीटीएम में अभिभावकों को जानकारी देते शिक्षक एवं छात्र।

नए छात्रों और अभिभावकों को कार्यप्रणाली से करवाया अवगत

राई। अभिभावक-शिक्षक सम्मेलन स्वर्णप्रस्थ पब्लिक स्कूल में किया गया। पी.टी.एम. का मुख्य उद्देश्य नवीन छात्रों एवं उनके अभिभावकों को विद्यालय के कार्य प्रणाली से परिचित कराने के साथ अध्यापकों से मुलाकात एवं अपना सार्थक सुझाव एवं सलाह प्रेषित करना था। प्रधानाचार्य रोहित पंडा ने बताया कि नए सत्र में स्कूल प्रोग्राम एवं आफ्टर स्कूल स्पोर्ट्स प्रोग्राम जैसे विविध बहुआयामी योजनाओं के साथ शुरुआत कर रहा है। ग्यारहवीं में अध्ययनरत छात्रों के सर्वांगीण विकास को लेकर चर्चा की। इस मौके पर मुख्याध्यापक एस.पी. सिंह, मुख्याध्यापिका मेघा कौशिक आदि मौजूद रहे।

वक्फ जमीनों पर एकतरफा कानून से दुरुपयोग हुआ : खट्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि गन्नौर में एनएच-44 के साथ 537 एकड़ में अंतरराष्ट्रीय फल, फूल और बागवानी मंडी बनाई जा रही है। यह एशिया की सबसे बड़ी मंडी होगी। मंडी परिसर में 17 शेड बनेंगे। वाहनों के लिए पार्किंग और वर्कशॉप की सुविधा भी होगी। मंडी में देश के करीब 14 राज्यों से माल पहुंचेगा। इससे रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे। किसानों को फल और सब्जियां बेचने के लिए बड़ा बाजार मिलेगा। मंत्री खट्टर ने यह बातें शनिवार को पानीपत से दिल्ली जाते समय कहीं। वे हाईवे किनारे मन्नत हवेली पर आधे घंटे से ज्यादा रुके। यहां गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान ने उनका स्वागत किया।

खट्टर ने कहा कि मंडी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उम्मीद है कि साल 2026 की शुरुआत में मंडी चालू हो जाएगी। काम तेजी से चल रहा है। उन्होंने हाल ही में मंडी का दौरा कर निरीक्षण भी किया। खट्टर ने कहा कि मंडी बनने से किसानों की आमदनी बढ़ेगी।

गन्नौर । मन्नत हवेली पहुंचे केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ विधायक देवेंद्र कादियान। *फोटो : हरिभूमि*

ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी प्रदर्शन की चेतावनी

गर्मी के साथ बिजली कटौती शुरू, रोज 7 से 8 घंटे के कट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

गांव पांची गुजरान में गर्मी की शुरुआत के साथ ही दिन के समय बिजली कटौती ने ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ग्रामीणों ने बताया कि बीते कुछ दिनों से दिनभर में कई-कई घंटे बिजली गायब रहती है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। दिन के समय बार-बार बिजली गुल होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि दिन के समय कई-कई घंटे बिजली नहीं रहती। इससे न केवल घरेलू जीवन प्रभावित हो रहा है, बल्कि सबसे अधिक दिक्कत स्कूल और कालेज के विद्यार्थियों को हो रही है। गर्मी और अंधेरे के चलते उनकी पढ़ाई भी बाधित हो रहा है। ग्रामीण राजकुमार, जोगिंद्र, विकास, रिंकू, सचिन, राम प्रकाश ने बताया कि उन्होंने बिजली निगम को कई बार इस संबंध में शिकायत की, लेकिन आज तक कोई समाधान नहीं हुआ। इससे नाराज होकर ग्रामीणों ने शुक्रवार को लघु सचिवालय में पहुंच कर शिकायत दी। ग्रामीणों ने विभाग और प्रशासन से जल्द सुधार की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हुई तो ग्रामीण विरोध प्रदर्शन करेंगे।

गन्नौर। हवन यज्ञ में आहुति डालते मार्केट कमेटी सचिव जगबीर सिंह व स्टाफ।

मार्केट कमेटी में नए सीजन की शुरूआत में करवाया हवन यज्ञ

गन्नौर। मार्केट कमेटी कार्यालय में गेंहू की खरीद सीजन की शुरूआत में हवन यज्ञ व प्रसाद वितरण किया गया। जिसमें मार्किट कमेटी के सचिव जगबीर सिंह व स्टाफ के सदस्यों ने हवन यज्ञ में आहुति डाली और सुख शांति की कामना की। कमेटी सचिव जगबीर सिंह ने बताया कि किसी भी शुभ कार्य की शुरूआत हवन यज्ञ से करनी चाहिए। हवन-यज्ञ सिर्फ धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि पर्यावरण शुद्धिकरण, सकारात्मक ऊर्जा और स्वास्थ्य लाभ के लिए भी महत्वपूर्ण है। सचिव जगबीर ने कहा कि हमें इसे केवल कर्मकांड के रूप में नहीं, बल्कि जीवनशैली के एक अभिन्न अंग के रूप में देखना चाहिए.

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बाद पुरस्कार वितरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

गेटवे शिक्षण संसथान के तीन दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'युगांतर 2025' का ग्रैंड फिनाले शनिवार को पूरे जोश और उमंग के साथ मनाया गया। समापन दिवस की शुरुआत विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई, जिसमें छात्रों ने अपनी कला, नृत्य और संगीत के माध्यम से दर्शकों का दिल जीत लिया। इसके बाद दोपहर 12:00 बजे से वैलिडिक्टरी सेशन आयोजित हुआ, जिसमें शिक्षा जगत और प्रशासन के कई विशिष्ट अतिथियों ने शिरकत की। मुख्य अतिथि के रूप में भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने शिरकत की। विशिष्ट अतिथि डॉ. आरसी खत्री, रजिस्ट्रार, दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली रहे। इनके साथ मंच पर गेटवे एजुकेशन समूह के राकेश अग्रवाल (कार्यकारी अध्यक्ष), राहुल मंगल (कार्यकारी निदेशक), डॉ. एके गर्ग (महानिदेशक), डॉ. विनय सिंगल (प्राचार्य, गेटवे इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी), डॉ. राहुल शर्मा (प्राचार्य, गेटवे कॉलेज ऑफ फार्मेसी), डॉ. मोना चंद्रा (प्राचार्य, गेटवे कॉलेज ऑफ़ आर्किटेक्चर एंड डिज़ाइन), प्रेम ओझा (प्राचार्य, गेटवे इंटरनेशनल स्कूल) और डॉ. मोहित बंसल (निदेशक, एडमिशन एंड प्लेसमेंट्स) की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इसके पश्चात छात्रों द्वारा प्रस्तुत शानदार नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मंच को जीवंत कर दिया और दर्शकों से खूब सराहना बटोरी। इसके बाद बीते दो दिनों में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार और ट्रॉफियां प्रदान की गईं। यह पुरस्कार मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और अन्य माननीय अतिथियों द्वारा प्रदान किए गए।

सोनीपत। गेटवे में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

खेलों के पढ़ाई में तराशेंगे बच्चों का भविष्य

राई। खेल विश्वविद्यालय राई के कुलपति ने सुपर 100 की नीव रखी। योजना का विजन खेलों और पढाई के संबंध में बच्चों के भविष्य को निखारना है। योजना के तहत खेल स्कूल में पढने वाले छात्रों में से 100 उतकर्स छात्रों का चयन खेलों में और 100 उतकर्स छात्रों का चयन पढाई के लिए किया गया है।

बीते वर्ष रामनवमी के पावन अवसर पर अयोध्या में सूर्य किरणों से नवप्रतिष्ठित रामलला के ललाट पर सूर्य तिलक किया गया था। आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला के सूर्य तिलक की योजना बनाई गई है। ऐसा कैसे संभव होगा, इसके लिए कैसे तकनीक काम करेगी और देश-विदेश में ऐसा और कहां हो चुका है? इस बारे में विस्तार से जानिए।

श्रीरामलला के ललाट पर नियमित होगा सूर्य तिलक

आवरण कथा

लोकमित्र गौतम

आज से अयोध्या के श्रीराम मंदिर में रामलला का प्रतिदिन सूर्य तिलक होगा। यह फैसला मंदिर निर्माण समिति ने लिया है। इसके तहत करीब 4 मिनट तक सूर्य की किरणें रामलला के ललाट को सुशोभित किया करेंगी। समिति के अध्यक्ष और पूर्व आईएएस नृपेंद्र मिश्र के मुताबिक हर दिन सूर्य तिलक की प्लानिंग अभी अगले 20 सालों तक के लिए की गई है।

गौरतलब है कि पिछले साल रामनवमी के दिन यानी 17 अप्रैल, 2024 को पहली बार रामलला का राजतिलक सूर्य की किरणों से किया गया था, जिसे 'सूर्य तिलक' कहा गया। इसकी वैज्ञानिक तकनीक मुख्य रूप से प्रकाश के परावर्तन और अपवर्तन के सिद्धांतों पर आधारित है।

कैसे किया गया सूर्य तिलक

सूर्य तिलक के लिए सबसे पहले संग्रहण लेंस और दर्पणों की मदद से सूर्य की किरणों को एक नियत स्थान पर केंद्रित किया गया। यह सूर्य की स्थिति की सटीक खगोलीय गणना और इंजीनियरिंग का कमाल था, जिससे दर्पणों और लेंसों को एक खास कोण पर स्थापित किया गया, जिससे सूर्य की किरणें सीधे रामलला के मस्तक पर सुशोभित हुईं। इस समूची प्रक्रिया में सौर संरेखण और भारतीय खगोलशास्त्र के सटीक ज्ञान का प्रयोग किया गया। पहले ऐसा करना हर वर्ष रामनवमी के दिन के लिए प्रस्तावित था। लेकिन आज रामनवमी से अगले 20 सालों तक हर दिन ऐसा होगा।

पहले भी हुआ है ऐसा

मुगलों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने के पहले तक ओडिशा स्थित कोणार्क के सूर्य मंदिर के मुख्य गर्भगृह तक भी सूर्य की पहली किरणें पहुंचती थीं। लेकिन वहां किसी प्रतिमा के मस्तक पर सटीक तिलक नहीं होता था। इसी तरह महाराष्ट्र के कोराडी मंदिर में भी सूर्य की किरणें एक विशेष दिन गर्भगृह में प्रवेश करती हैं। ऐसे ही मदुरै (तमिलनाडु) के मीनाक्षी मंदिर में भी सूर्य की रोशनी गर्भगृह तक पहुंचती है। बृहदेश्वर मंदिर (तंजावुर) में भी विशेष संरेखण के जरिए शिवलिंग पर एक निश्चित समय सूर्य की रोशनी गिरती है। लेकिन इन सभी मंदिरों में किसी मूर्ति के सटीक मस्तक पर तिलक होने की तकनीक पहले कभी नहीं थी, जिस तरह की तकनीक से अयोध्या में रामलला के मस्तक को सुशोभित किया जा रहा है। ऐसी विशिष्ट तकनीक पहली बार प्रयोग की गई है। इससे पहले की सारी तकनीकें प्रकाश संरेखण के जरिए सूर्य की किरणों को गर्भगृह पहुंचाने तक ही सीमित थीं।

कोणार्क का सूर्य मंदिर

रामनवमी विशेष

अनोखी है यह तकनीक

यह तकनीक वास्तव में इंजीनियरिंग और खगोलशास्त्र का संगम है। इस तकनीक में खगोलशास्त्र और भौतिकी (प्रकाश) विज्ञान का एक साथ उपयोग किया गया है। वास्तव में यह दुर्लभ संरेखण यानी रेयर एलाइनमेंट, बेहद सटीक काल गणना और दर्पण-लेंस प्रणाली के बेहतरीन समन्वय का नतीजा होती है। पहली बार किसी मंदिर में यह सूर्य किरण तिलक धार्मिक अनुष्ठान का हिस्सा बना है। सूर्य तिलक बेहद जटिल तकनीकी है। केवल किसी खास दिन, केवल कुछ निश्चित क्षणों के लिए इसे सुनिश्चित करना भी बड़ी विशेषज्ञता है।

ऐसे होगा हर दिन सूर्य तिलक

चूंकि आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला का सूर्य तिलक किया जाना प्रस्तावित है, इसलिए मन में ऐसे सवाल उठने स्वाभाविक हैं कि जिस दिन सूर्य उगने के समय बारिश हो रही होगी, धुंध और कोहरा छाया होगा, उस दिन यह सब कैसे संभव होगा? जानकारों के मुताबिक अगर किसी दिन बारिश, बादल या मौसम की खराबी के कारण सूर्य दिखाई नहीं देगा, उस दिन यदि सूर्य तिलक की तकनीक पूरी तरह से प्रत्यक्ष सूर्य प्रकाश पर निर्भर होगी तब तो उस दिन सूर्य तिलक संभव नहीं होगा। चूंकि खगोलीय घटनाएं स्वाभाविक रूप से मौसम पर निर्भर होती हैं, इसलिए दुनिया के किसी भी स्थान पर 100% ऐसा करना प्राकृतिक ढंग से सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। लेकिन इसे बिना प्रत्यक्ष सूर्योदय के भी 100 फीसदी विभिन्न वैज्ञानिक तकनीक से संभव है। इसके लिए कुछ वैकल्पिक तकनीकी समाधान अपनाए जा सकते हैं, जैसे आर्टिफिशियल लाइटिंग सिस्टम। जिस तरह से सौर ऊर्जा संयंत्रों में सोलर लैंप का उपयोग किया जाता है, उसी तरह एक विशेष प्रकार की प्रकाशीय व्यवस्था यहां भी की जा सकती है। यह एलईडी या लेजर तकनीक का उपयोग कर सूर्य के प्रकाश का कृत्रिम रूप तैयार कर सकती है, जिससे तिलक की परंपरा जारी रह सके। रिफ्लेक्टर मिरर सिस्टम से भी यह संभव है। यदि किसी दिन प्रत्यक्ष सूर्योदय न हो तो इसके लिए पिछले दिनों के एकत्रित प्रकाश का उपयोग किया जा सकता है।

होलोग्राम तकनीक का विकल्प

एक अन्य विकल्प थ्री डी प्रोजेक्शन या होलोग्राम तकनीक भी हो सकती है, जो तिलक के प्रभाव को ठीक वैसे ही दिखाएगी, जैसा वास्तविक सूर्य तिलक के दौरान होता है। हालांकि मंदिर प्रशासन ने अब तक किसी आपातकाल में कृत्रिम विकल्प अपनाने की घोषणा नहीं की है, लेकिन भविष्य में यदि भक्तों की मांग बढ़ती है, तो कृत्रिम रोशनी या वैकल्पिक तकनीकों को शामिल किया जा सकता है।

और भी हैं तकनीकें

कई बार ऐसा भी होता है कि मौसमी परिस्थितियों के चलते सामान्यतः सूर्य उगता हुआ नहीं दिखता, लेकिन वैज्ञानिक तथ्य यही होता है कि तब भी सूरज बादलों के पार उगा होता है और उसकी रोशनी किसी न किसी रूप में धरती पर आ रही होती है। यानी, नियत समय पर तब भी सूर्य अपनी जगह पर उग चुका होता है। वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से इस रोशनी का इस्तेमाल सूर्य तिलक के लिए संभव है। इसके लिए आधुनिक प्रकाशीय तकनीकों (ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी) और सौर ऊर्जा संग्रहण प्रणालियों का उपयोग किया जा सकता है। ऑप्टिकल सेंसर और रिले मिरर के साथ-साथ सोलर ट्रैकिंग सेंसर के जरिए जब सूरज उगा हुआ न दिखे तब भी यह संभव है। क्योंकि ये सेंसर सूर्य की स्थिति को ट्रैक करते हैं, भले ही वह बादलों के पीछे छिपा हो। ऐसे में सूर्य की हलकी सी रोशनी को भी ये सेंसर विशेष दर्पण प्रणाली की मदद से मूर्ति के मस्तक तक पहुंचा सकते हैं। इस तकनीक में फाइबर ऑप्टिक्स का भी उपयोग किया जा सकता है और सूरज की धुंधली रोशनी को भी केंद्रित किया जा सकता है। लब्बोलुआब यह कि वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से बादलों के बावजूद सूर्य तिलक संभव किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सोलर ट्रैकिंग, रिले मिरर जैसी लेजर तकनीकों का उपयोग करना होगा। *

दुनिया में और कहां होता है ऐसा

किसी प्रतिमा पर सूर्य किरण से तिलक करने की घटना एक अन्य देश में भी होती है। अबू सिंबल मंदिर (मिस्र) में हर वर्ष 22 फरवरी और 22 अक्टूबर को सूर्य की किरणें सीधे फराओ रामसेस द्वितीय की मूर्ति पर पड़ती हैं। लेकिन मूर्ति के मस्तक जैसे किसी एक विशेष स्थान पर सटीक ढंग से महज कुछ मिनटों के लिए सूर्य की किरणें नहीं गिरतीं जैसे कि अयोध्या के राम मंदिर में प्रतिष्ठित रामलला की मूर्ति के ललाट पर गिरती हैं।

राम नाम की महिमा अपार

दो अक्षरों से निर्मित 'राम' नाम की महिमा की थाह अपार, अनंत और कल्याणकारी मानी जाती है। पुराणों से लेकर धार्मिक साहित्य में भी इस नाम की महत्ता का गुणगान मिलता है। अनेक देशों में राम नाम के नगर और राम नाम धारी अनोखे बैंक इसे प्रमाणित करते हैं।

महात्म्य

शिखर चंद जैन

आपने यह भजन तो अवश्य सुना होगा, 'राम से बड़ा राम का नाम।' यह सुनकर आश्चर्य हो सकता है कि भला प्रभु राम का नाम, उनसे भी बड़ा कैसे हो सकता है! लेकिन यह बात महान ऋषि, मुनि, विद्वान और धर्माचार्य भी कहते रहे हैं। राम का नाम जपने वाले कई संत और कवि हुए हैं। जैसे कबीरदास, तुलसीदास, रामानंद, नाभादास, स्वामी अग्रदास, प्राणचंद चौहान, केशवदास, रैदास या रविदास, दादू दयाल, सुंदरदास, मलूकदास, समर्थ रामदास आदि। प्रभु श्रीराम का नाम सुमिरन करते हुए, नाम जप करते हुए असंख्य साधु-संत मुक्ति को प्राप्त हो गए हैं। कई पुराणों में भी इस तरह का उल्लेख किया गया है कि कलयुग में राम नाम का जप ही लोगों को भवसागर से पार ले जाने वाला सिद्ध होगा।

शिव भी जपते राम का नाम

पौराणिक मान्यता है कि राम नाम की महिमा का वर्णन शिवजी से सुनकर माता पार्वती भी उनका नाम जप करती हैं। शिवजी हनुमानजी का अवतार लेकर भी राम का नाम ही जपते रहते हैं। रामचरित मानस में तुलसीदास जी ने राम नाम की महिमा का कई जगहों पर वर्णन किया है-

महामंत्र जोइ जपत महेसू। कासी मुकुति हेतु उपदेसू॥
महिमा जासु जान गनराऊ। प्रथम पूजिअत नाम प्रभाऊ॥

अर्थात जो महामंत्र है, जिसे महेश्वर श्री शिवजी जपते हैं और उनके द्वारा जिसका उपदेश काशी में मुक्ति का कारण है तथा जिसकी महिमा को गणेशजी जानते हैं, जो इस 'राम' नाम के प्रभाव से ही सबसे पहले पूजे जाते हैं। एक अन्य स्थल पर वे कहते हैं-

रामनाम कि औषधि खरी नियत से खाय,
अंगरोग व्यापे नहीं महारोग मिट जाए।

अर्थात, राम नाम का जप एक ऐसी औषधि के समान है, जिसे अगर सच्चे हृदय से जपा जाए तो सभी आदि-व्याधि दूर हो जाती हैं, मन को परम शांति मिलती है।

स्वयं प्रभु को हुआ अचरज

राम नाम की महिमा का एक प्रसंग बहुत चर्चित है। आपने भी रामायण में पढ़ा होगा कि रामसेतु के निर्माण के समय हर पत्थर पर राम नाम लिखा जा रहा था और हर कोई राम नाम का जयघोष कर रहा था। राम के नाम लिखे पत्थर जब तैरने लगे तो प्रभु श्रीराम भी आश्चर्य में पड़ कर सोचने लगे। उन्होंने सोचा कि जब मेरे नाम लिखे पत्थर तैरने लगे हैं तो यदि मैं कोई पत्थर फेंकता हूं समुद्र में तो उसे भी तैरना चाहिए। मन में यही विचार करके उन्होंने भी एक पत्थर उठा लिया, जिस पर राम का नाम नहीं लिखा था और उसे समुद्र में फेंक दिया, लेकिन वह पत्थर डूब गया। भगवान श्रीराम आश्चर्य में पड़ गए कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? दूर खड़े हनुमानजी यह सब देख रहे थे। उन्होंने श्रीराम से कहा, 'प्रभु! आप जिस दुविधा में हैं उसका उत्तर मैं देता हूं। हे प्रभु! आपके नाम को धारण कर तो सभी अपने जीवन की नैया को पार लगा सकते हैं, लेकिन जिसे आप स्वयं त्याग रहे हैं, उसे डूबने से भला कोई कैसे बचा सकता है?'

पाप-अज्ञान से मिले मुक्ति

राम के नाम में इतनी शक्ति है कि उनके नाम का जप करते हुए वाल्मीकि, देवतुल्य ऋषि और तुलसीदास, अज्ञानी से महान ज्ञानी-संत कवि बने।

दुनिया भर में व्याप्त राम का नाम

भगवान राम के नाम का डंका भारत भूमि पर ही नहीं, बल्कि विदेशी धरती पर भी बजता है। एक अध्ययन के मुताबिक राम, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूज्यनीय हैं। हॉलैंड का महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय ऐसा नक्शा बना रहा है, जिसमें राम के नाम से जुड़े करीब एक हजार नगर हैं, इस पर काम चल रहा है। राम नाम से दुनिया के अनेक देशों में नगर मौजूद हैं। इनमें शामिल हैं- ऑस्ट्रेलिया-रामसे, अलास्का-रामीज, बेल्जियम-इवोज रामेट, रामसेल, अफगानिस्तान-रामबुत, जर्मनी-रामवर्ग, रामस्टीन, रामबो, जिंबाब्वे-रामक्काड, लीबिया-रामलहर, लेबनान-रामाथी, सीरिया- रामर, रामट, मैक्सिको-रामीनेज, रामोनल, केन्या-रामा, रामी, डेनमार्क-रामी, रामसी, रामटेनऑ, अमेरिका-रामपो, रामह, रामरीटो, रामीरेज, इराक-रमन, रामूटा, रामा, रामाला, ईरान-रामरोद, रामसार, रामिस्क, रामिया, रूस- रामासुख, रामेसा, रामेला, रामेस्फ, स्पेन- रामाल्स डला विक्टोरिया, इंग्लैंड-रामसगबेट, राम्सगिन, राम टेक्पासाइड, फ्रांस-रामट्यूवेल, सेंट रामवर्ट, सेंट रामबाउलर *

अनोखी आस्था : राम नाम का बैंक

बनारस की पावन धरती पर राम नाम की महिमा को समर्पित राम नाम का एक बैंक है। इस बैंक का नाम है 'राम रमापति बैंक'। यह देश में नित नए खुल रहे राम नाम बैंकों में से सबसे पुराना है। यहां 'राम नाम' का कर्ज भी मिलता है। इस बैंक को 1926 में दास छन्नूलाल ने स्थापित किया था। बैंक के नियम कायदे काफी कठोर हैं, जिनका पालन ग्राहकों को अनुशासित रूप से करना पड़ता है। हर ग्राहक को 500 बार रोज के हिसाब से 1,25,000 बार राम नाम लिखने का वादा करना पड़ता है, वह भी सुबह 4 बजे से शाम को 7 बजे के बीच की अवधि में। लेखन सामग्री और स्याही आदि सब बैंक द्वारा उपलब्ध करवाया जाता है। लाल स्याही के पावडर को गंगा नदी के जल में घोलकर स्याही बनानी पड़ती है। इतने कड़े नियमों के बावजूद इस अनूठे बैंक के डेढ़ लाख आजीवन सदस्य हैं। भगवान की जन्मभूमि अयोध्या में भी अंतरराष्ट्रीय 'श्री सीताराम बैंक' है। यहां सभी भाषाओं में राम का नाम लिखा हुआ स्वीकार किया जाता है। इस बैंक की 101 शाखाएं हैं, जो न सिर्फ हमारे देश में बल्कि अमेरिका, कनाडा, नेपाल और फिजी में भी हैं।

नवगीत

डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

गमलों के बरगद

छांव नहीं दे पाते हैं
गमलों के बरगद
उन्हें देखकर नागफनी
होती है गदगद।
कुछ भी करने पर बंदिश
हो, हाथ बंधे हों
जिस पर कलम चलाना हो
वो पग्र कंधे हों
नहीं मायने रखता
ऐसे में कोई पद।
अपने बूते चलने वाले
कम दिखते हैं
कुछ परबुधिया हो जाते हैं
कुछ बिकते हैं
लोग तय किया करते हैं
अब औरों की हद।
टेढ़े पेड़ों को हरदम
कटना पड़ता है
बिना मोल के लोगों में
बंटना पड़ता है
जड़ें कटी हों जिसकी
घटता है उसका कद।
निर्भय होने पर ही चिड़िया
उड़ पाती है
खुले गगन से जीवन भर
फिर जुड़ पाती है
पंख तभी खुलते हैं जब
वो भरती है डग।

अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा कि ये घिबली क्या बला है!

कार्टून इंसान की कार्टून छवि

व्यंग्य

संदीप भटनागर

चुन्नी बाबू सुबह से छः बार कॉल कर चुके थे और हम बात करना टाल रहे थे। सोचा थोड़ी देर में खुद ही समझ जाएंगे लेकिन जब सातवीं बार फिर मोबाइल रिंग के साथ स्क्रीन पर उनका नाम चमका तो लगा कि उधर कुछ ज्यादा ही बेचैनी है।

फोन उठाते ही चुन्नी बाबू गरियाए 'अमां क्या अहमक आदमी हैं आप, एक ओर हमारी दोस्ती का दम भरते हैं और दूसरी ओर हमारे कॉल्स नजरअंदाज करते हैं? एक-दो कॉल हो तो ठीक है छः कॉल घोट कर पी गए। खुदा न खास्ता कोई इमरजेंसी हो तो हम तो तुम्हारे भरोसे नप ही जाएं। तुम्हारे इसी एटीट्यूड के कारण हमने हमारी संभावित 'फोन अ फ्रेंड' की लिस्ट में से तुम्हारा नाम डिलीट कर दिया है।'

चुन्नी बाबू पिछले कई सालों से हॉट सीट के चक्कर में लगे थे।

क्षणिक चुप्पी के बाद चुन्नी बाबू की गहरी सांस ने सिग्नल दिया कि अब बोलने की बारी हमारी है।

'ऐसी तो कोई बात नहीं चुन्नी बाबू कि हम आपका कॉल नजरअंदाज करें वो बस सुबह की मसरूफियत में आपके कॉल मिस कर बैठे, अब बताओ कौन सी इमरजेंसी आन पड़ी है?'

चुन्नी बाबू थोड़ा नॉर्मल होकर बोले, 'सुना है, तुमने अपने रिटायरमेंट के बाद लोगों को ज्ञान बांटने का काम चालू किया है?'

'अरे नहीं चुन्नी बाबू, हम क्या ज्ञान बांटेंगे? इस काम में तो अनेक सोशल मीडिया यूनिवर्सिटी और हजारों वाट्सएप समूहों के एडमिन और लाखों सदस्य दिन-रात लगे पड़े हैं। हमें तो बस कोई बुलाता है तो चले जाते हैं। इस बहाने अपना भी टाइम पास हो जाता है।'

'चलो ठीक है मान ली तुम्हारी बात, लेकिन उसके लिए तुम्हें दुनिया भर की खबर भी तो होनी चाहिए।' अब चुन्नी बाबू ज्ञान बांटने के मूड में लगे।

हमने कहा, 'हां इसी कोशिश में हम कुछ न कुछ पढ़ते-लिखते रहते हैं।'

'पढ़ना-लिखना सब पुराना ट्रेंड हो गया है, इससे कुछ नया हासिल होने वाला नहीं है। हर रोज नई-नई चीजें ट्रेंड हो रही हैं और तुम किताबों से माथा-पच्ची में लगे हो। पिछले कुछ दिनों से घिबली ने देश-दुनिया को हिलाकर रखा है।' चुन्नी बाबू ने हमें धिक्कारा।

हमें लगा कि म्यांमार और पड़ोसी देशों में आए विनाशकारी भूकंप के बाद यह कोई नई मुसीबत आई है। हमने अपने ज्ञान तंतुओं को एकत्रित कर पूछा, 'क्या घिबली कोई नया तूफान या चक्रवात है, जिसकी हमें खबर नहीं है?' बहुधा चक्रवात और तूफानों के इस तरह के नामकरण करने की परंपरा है।

चुन्नी बाबू हमारे अज्ञान पर तरस खाकर बोले, 'अपनी भूरी, मटमैली, नीरस किताबी दुनिया से बाहर निकल कर कुछ समय सोशल साइट्स की रंग-बिरंगी दुनिया में बिताओ तो पता लगे कि क्या हैशटैग हो रहा है और क्या ट्रेंड कर रहा है?'

हम अपनी गैर सामाजिक छवि पर शर्मिंदा हुए और समर्पण भाव से बोले, 'आप ही बता दीजिए कि घिबली क्या बला है, और इसका इतना शोर क्यों है?'

'जनाब इसका पूरा नाम घिबली स्टाइल पोर्ट्रेट है, जो चैटजीपीटी का नया एआई टूल है।' चुन्नी बाबू ने अपनी ज्ञान की पोटली खोली।

'अच्छा! मतलब विज्ञान का तरक्की की ओर एक और कदम। यह हम इंसानों की किस तरह मदद करेगा?' हम चुन्नी बाबू के ज्ञान कुंड में गोता मारने की तैयारी में थे।

'यह इंसानों को कार्टून में बदल देता है।' चुन्नी बाबू के स्वर में उत्साह था।

हमने पूछा, 'आपने ट्राय किया?'

'हां किया और यही बताने के लिए तो सुबह से सात कॉल कर चुके हैं।'

हे भगवान! तो क्या अब चुन्नी बाबू की जगह उनके कार्टून से काम चलाना होगा और उनकी बीवी परम आदरणीय हमारी भाभी जी का क्या होगा? वो तो दिन भर में पचासियों बार उन्हें कार्टून घोषित करती रहती हैं। अब तो घोषित करने लायक कुछ रहा ही नहीं।

'मिलने पर हम आपको पहचान पाएंगे?' हमने अपनी शंका जाहिर की।

'हमें क्या हुआ है?' चुन्नी बाबू चौंक कर बोले।

हमने कहा, 'अरे! अभी तो आपने कहा कि आप घिबली के वश में आकर कार्टून बन गए हैं।'

चुन्नी बाबू हमारी नादानी पर खुल कर हंसते हुए बोले, 'अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। चलिए बहुत हुआ अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा।' कह कर चुन्नी बाबू ने फोन काट दिया।

हम सोच रहे थे कि तरक्की की होड़ में दौड़ते-हांफते कार्टून बन चुके इंसान की छवि को कार्टून बनाने में इतने पैसे खर्च क्यों किए? और कर भी दिए तो ये झुनझुना हमें क्यों थमा दिया? हमारे अपने झुनझुने कम थे क्या? अब बजाने के लिए यह झुनझुना मुफ्त में मिल ही गया है तो हम भी टूट पड़े उसे टूटने की हद तक बजाने के लिए।

बीते सप्ताह यह खबर भी आई कि ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने हाथ जोड़ कर इंसानों से विनती की है कि कार्टून बनने-बनाने की प्रक्रिया को धीमा करें ताकि उनके टूल्स लंबे समय तक प्रभावी रूप से इंसान की छवि को कार्टून बनाते रहें। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

विशेष: हनुमान जन्मोत्सव, 12 अप्रैल

धार्मिक स्थल / शिखर चंद जैन

वैसे तो रामभक्त हनुमानजी के अनेक मंदिर अपने देश में स्थित हैं। अपने देश के अलावा विदेशों में भी हनुमानजी के कई प्रतिष्ठित और अनूठे मंदिर हैं। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हम आपको देश-विदेश के कुछ अनूठे हनुमान मंदिरों के बारे में यहां बता रहे हैं।

देश-विदेश में स्थित हनुमान जी के अनूठे मंदिर

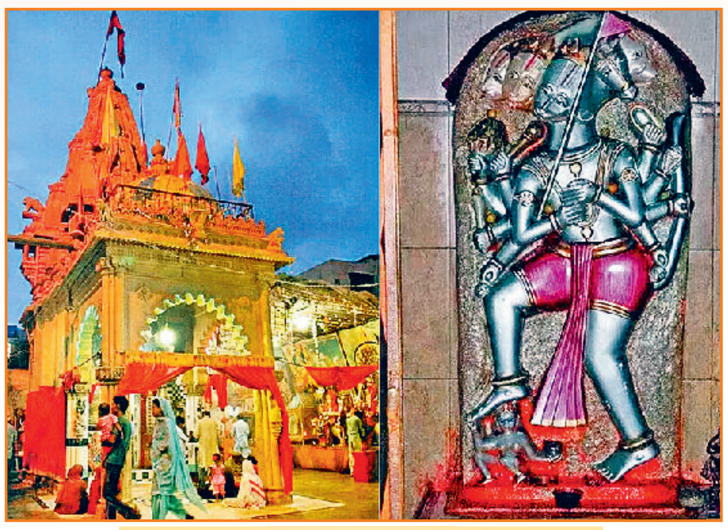

पंचमुखी हनुमान मंदिर, पाकिस्तान

आपको जानकर अचरज हो सकता है कि पाकिस्तान के कराची में स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर दुनिया के सबसे पुराने हनुमान मंदिरों में से एक माना जाता है। बताया जाता है कि यह मंदिर लगभग 1500 साल पुराना है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार वनवास के दौरान भगवान राम उस स्थान पर आए थे, जहां यह मंदिर बना हुआ है। सदियों पहले खुदाई में यहां हनुमान जी की मूर्ति मिली थी। श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां यह मूर्ति दैवीय शक्ति से प्रकट हुई थी। इसलिए यहां भव्य मंदिर बना दिया गया। साल 2019 में यहां हनुमान जी की 9 अन्य मूर्तियां प्राप्त हुई थीं। इस मंदिर के प्रति श्रद्धालुओं में जिज्ञासा और आस्था बढ़ती ही जा रही है। पंचमुखी हनुमान मंदिर को पाकिस्तान में राष्ट्रीय विरासत का दर्जा भी मिला हुआ है। *

दत्तात्रेय मंदिर प्रांगण, त्रिनिडाड-टोबैगो

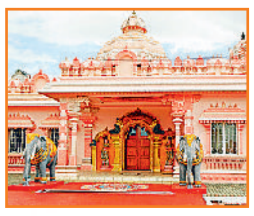

त्रिनिडाड-टोबैगो देश के करापीचैमा/करापीचाइमा नामक स्थान में स्थित दत्तात्रेय मंदिर 9 जून 2003 को खोला गया था। इस मंदिर में हनुमान जी की 85 फीट ऊंची मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। साथ ही मूर्ति के आधार स्थल पर एक छोटा हनुमान मंदिर, दत्तात्रेय और अनघा देवी की प्रतिमाएं, राज राजेश्वरी, गणपति की प्रतिमा और शिव लिंग की भी स्थापना की गई है। भारत के बाहर मौजूद हनुमान जी की यह सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक है। दक्षिण भारत की द्रविड़ वास्तुकला शैली में इस हनुमान प्रतिमा का निर्माण किया गया है। मुख्य मंदिर में प्रवेश करने से पहले भक्तों के पैर धोने के लिए कंक्रीट से निर्मित हाथी की दो विशाल प्रतिमाओं से पानी उपलब्ध कराया जाता है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर एक गुंबद है, जिसमें सात अलग-अलग रंगों में विभिन्न प्रकार के वाद्ययंत्र बजाते हुए संगीतकारों की प्रतिमाएं मौजूद हैं। *

श्री आंजनेय मंदिर, मलेशिया

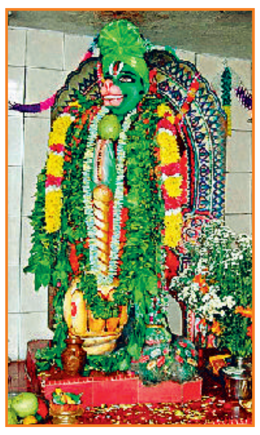

यह मंदिर मलेशिया के पोर्ट डिक्सन में स्थित है। अपने साथ जुड़ी रहस्यमयी कहानियों के कारण आंजनेय मंदिर दुनिया भर में प्रसिद्ध है। ऐसा माना जाता है कि मंदिर में रखी हनुमान प्रतिमा ने खुद ही अपना चेहरा रामेश्वरम मंदिर (भारत देश में स्थित) की ओर मोड़ लिया था। ऐसा कहा जाता है कि वर्ष 1996 में एक विदेशी फोटोग्राफर आंजनेय मंदिर की तस्वीरें क्लिक कर रहा था। जब वह कुछ और तस्वीरें क्लिक करने के लिए वापस लौटा तो उसने हनुमान जी की मूर्ति के शीष की दिशा में बदलाव देखा। यह देखकर वह अचरज में पड़ गया। उसने वहां उपस्थित लोगों से यह बात कही और तस्वीरें दिखाईं, तो सभी लोग इस चमत्कार से दंग रह गए। ध्यातव्य है कि रामेश्वरम भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक है और इनकी स्थापना भगवान श्रीराम के द्वारा की गई मानी जाती है। *

जाखू मंदिर, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के जाखू में 8100 फीट की ऊंचाई पर मौजूद यह अत्यंत प्राचीन और जाग्रत हनुमान मंदिर, रामायण काल का बताया जाता है। इस मंदिर में 108 फीट ऊंची हनुमानजी की मूर्ति है। इस मंदिर और हनुमानजी की यह विशेष प्रतिमा देखने के लिए देश के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं। मान्यता है कि रावण के साथ युद्ध के दौरान जब लक्ष्मणजी मूर्छित हो गए थे और हनुमानजी उनके लिए संजीवनी बूटी लेने जा रहे थे, तभी उनकी नजर यहां तप कर रहे एक यक्ष ऋषि पर पड़ी। हनुमानजी जरा क्लांत और संशय में थे। संजीवनी बूटी की सही जानकारी हासिल करने के लिए वे यहां कुछ समय के लिए ठहरे थे। यक्ष ऋषि के नाम पर ही अपभ्रंश होता हुआ, इस मंदिर का नाम जाखू मंदिर पड़ गया। *

बाला हनुमान मंदिर, गुजरात

बाला हनुमान मंदिर, जिसे श्री बालहनुमान संकीर्तन मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, गुजरात के जामनगर में रणमल झील (लखोटा झील) के दक्षिण पूर्व में स्थित है। इस मंदिर में भगवान राम, सीताजी, लक्ष्मणजी और हनुमानजी की मूर्तियां हैं। 1 अगस्त, 1964 से मंदिर परिसर में दिन-रात राम धुन 'श्री राम, जय राम, जय जय राम' का जाप होता रहता है। इस चौबीसों घंटे चलने वाले अनुष्ठान को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। स्थानीय लोगों की मंदिर में गहरी आस्था है और उनका मानना है कि यह मंदिर उन्हें प्राकृतिक आपदाओं और जीवन के अन्य संकटों से बचाता है। *

भगवान श्रीराम का अवतारी जीवन हमें मर्यादा, आदर्श और नीति का पाठ तो पढ़ाता ही है। इसके साथ ही साथ कॉर्पोरेट क्षेत्र से जुड़े आज के दौर के युवा भी श्रीराम से सात ऐसे गुण सीख सकते हैं, जो उन्हें मनचाही सफलता दिला सकते हैं।

भगवान राम से सीखें कॉर्पोरेट सफलता के सूत्र

प्रेरणा

लोकमित्र गौतम

भगवान राम न सिर्फ मर्यादा पुरुषोत्तम और नैतिक मूल्यों के प्रतीक हैं बल्कि उनके व्यक्तित्व में प्रबंधन के ऐसे गुण भी मौजूद हैं, जिन्हें सीखकर कोई भी युवा कॉर्पोरेट क्षेत्र में शानदार सफलता हासिल कर सकता है। ऐसे सात सूत्रों के बारे में हर युवा को जानना चाहिए।

नेतृत्व का गुण: भगवान राम न सिर्फ शक्तिवान हैं बल्कि वह एक समर्थ सेनापति और टीम लीडर भी हैं। राम-रावण युद्ध के नजरिए से देखें तो रावण के पास अपार सेना और युद्ध के सारे संसाधन थे, लेकिन जिस तरह भगवान राम अपनी थोड़ी सी भालू, बंदरों की सेना को उच्चस्तरीय प्रबंधन करते हुए रावण की विशाल सेना को हरा देते हैं, उनमें नेतृत्व क्षमता को साबित करता है। कॉर्पोरेट जगत में युवा अपनी टीम को स्पष्ट दृष्टि देने के लिए भगवान राम से यह गुण सीख सकते हैं। किस तरह अपनी टीम को प्रेरित किया जाए और कैसी विस्तृत रणनीति से सफलता सौ फीसदी हासिल की जाए?

कार्य विभाजन: रावण से युद्ध के पहले श्रीराम जानते थे कि उनके पास छोटी-सी सेना है। इसलिए उन्होंने सैनिकों में इस तरह काम का विभाजन किया कि सफलता हासिल हो। उन्होंने लक्ष्मण, हनुमान, सुग्रीव और विभीषण को उनकी क्षमता के मुताबिक जिम्मेदारियां सौंपीं। कॉर्पोरेट टीम लीडरशिप के लिए अपने साथियों की अधिकतम क्षमताओं का प्रयोग करने के लिए कार्य विभाजन हर हाल में आना चाहिए।

रणनीति प्रबंधन: कॉर्पोरेट सेक्टर में सफलता के लिए मजबूत नेटवर्किंग और सही साझेदारों की पहचान बहुत जरूरी होती है। आज के युवा सफलता का यह जरूरी गुण भगवान राम से सीख सकते हैं। भगवान राम ने हमेशा सही लोगों से मजबूत और विश्वसनीय संबंध बनाए। उन्होंने रावण से युद्ध के लिए सुग्रीव, हनुमान और विभीषण जैसे सहयोगियों की न केवल मदद ली बल्कि उस मदद को अधिकतम उपयोगी बनाने के लिए सटीक तौर पर रणनीतिक प्रबंधन का सहारा लिया।

धैर्य और आत्मविश्वास: जीवन का कोई भी क्षेत्र हो, सफलता के लिए धैर्य और आत्मविश्वास जरूरी है। खासकर जो आज के युवा स्टार्टअप शुरू कर रहे हैं, उन्हें जिस तरह की बाजार प्रतिस्पर्धा से गुजरना पड़ता है, उसमें धैर्य और आत्मविश्वास की महती जरूरत होती है। जिस तरह भगवान राम ने कभी भी धैर्य और आत्मविश्वास का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने अपने जीवन में कोई भी निर्णय जल्दबाजी में नहीं लिया। हर कदम को उठाने के पहले धैर्य से काम लिया। लंका पर भी आनन-फानन में हमला नहीं किया। रावण के हर कदम को अच्छी तरह से समझने के बाद ही उन्होंने युद्ध का ऐलान किया। आज के स्टार्टअप्स कल्चर में भी धैर्य और आत्मविश्वास की बहुत जरूरत पड़ती है।

अनुशासन: अनुशासन एक ऐसा गुण है, जो करियर में सफलता की चाह रखने वाले युवाओं में अनिवार्य रूप से होना चाहिए। जैसे भगवान राम ने 14 साल के वनवास को पूरे अनुशासन के साथ पूरा किया। युवाओं को भी भगवान राम की तरह ही अपने कर्म के प्रति अनुशासित रहना चाहिए।

समस्या समाधान की क्षमता: कोई भी कॉर्पोरेट दिग्गज अपने फील्ड में तभी सफलता हासिल कर पाता है, जब उसके पास यूनिक आइडियाज और स्मार्ट प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल हो। युवा, भगवान राम से इनोवेशन की महत्ता और समस्या के समाधान की विशिष्टता सीख सकते हैं।

नैतिकता और ईमानदारी: जमाना कोई भी हो, क्षेत्र कोई भी हो, बिना नैतिकता और ईमानदारी के किसी भी क्षेत्र में सफलता नहीं मिलती। कॉर्पोरेट क्षेत्र में सफलता के लिए युवाओं को इस मामले में भी भगवान राम से एक बड़ी सीख मिलती है, वह यह कि सफलता के लिए कभी भी अनैतिक और गैरईमानदार नहीं होना चाहिए। भगवान राम ने सदैव धर्म का पालन किया, ईमानदारी का मार्ग अपनाया इसलिए कभी भी वह सफलता से वंचित नहीं रहे। *

लाइफस्टाइल

अंजू जैन

आप अपनी फिजिकल और मेंटल हेल्थ को मेंटेन करने के लिए तो कई एफर्ट करते हैं। लेकिन क्या अपनी सोशल हेल्थ पर भी पूरा ध्यान देते हैं? कैसे रहें सोशली हेल्दी, जानिए।

इन रूल्स को करें फॉलो आप रहेंगे सोशली हेल्दी

बहुत कम लोगों को पता है कि तन और मन के स्वास्थ्य के लिए सामाजिक, पारिवारिक रिश्ते और संपर्क बनाए रखना जरूरी होता है। ऐसा न करने से लोग हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हार्ट डिजीज, स्ट्रेस और डिप्रेशन जैसी बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं।

क्या है सोशल हेल्थ: हमारा सोशल सर्किल कैसा है, हमें मुसीबत में देखकर कितने लोग मदद का हाथ बढ़ाते हैं, दुःख-सुख में हमारे पास बैठकर बातें करने वाले कितने लोग हमारे संपर्क में हैं, हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा और लोगों के साथ बॉन्डिंग कैसी है? यह सब निर्भर करता है, हमारी सोशल हेल्थ पर। सामाजिक स्वास्थ्य को दूसरों के साथ बातचीत करने और रिलेशन बनाने की क्षमता के रूप में डिफाइन किया जा सकता है।

सोशल हेल्थ का महत्व: सोशल हेल्थ का अच्छा स्तर बनाए रखने से आप दूसरों के साथ अच्छे संबंध बना सकते हैं। इन रिश्तों में दोस्ती, पारिवारिक और प्रोफेशनल रिश्ते शामिल हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि वीक सोशल हेल्थ वाले लोगों में स्ट्रोक का खतरा 32%, मेंटल प्रॉब्लम्स का खतरा 50% और समय से पहले मृत्यु का खतरा 29% बढ़ जाता है। बीते कुछ सालों में विभिन्न अध्ययनों से पता चलता है कि सामाजिक संबंधों की गुणवत्ता और इनके लेवल दोनों का हमारे जीवन पर टेंपररी और परमानेंट प्रभाव पड़ता है।

सोशली हेल्दी होने के लक्षण: अगर आप मधुर, प्रभावी ढंग से बातचीत करते हैं, अपने सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन को संतुलित रखते हैं, वर्क प्लेस, सोसाइटी और अपने परिवार में लोगों के साथ जुड़े रहते हैं, सामाजिक परिस्थितियों में खुद को इंवॉल्व कर लेते हैं, दूसरों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करते हैं, मित्रता और सोशल नेटवर्क विकसित करने और बनाए रखने में सक्षम हैं तो इसका अर्थ होगा कि आप सोशली हेल्दी हैं।

ऐसे रहेंगे सोशली हेल्दी: सोशली हेल्दी रहने के लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

- टॉक्सिक रिलेशंस से बचें क्योंकि कोई रिलेशन जब टॉक्सिक हो जाता है तो वह कभी भी आपकी आर्थिक, मानसिक या शारीरिक सेहत के लिए सही नहीं होगा।
- अपना सोशल नेटवर्क बढ़ाने, लोगों के साथ बॉन्डिंग बढ़ाने के लिए धार्मिक और सामाजिक समूह का हिस्सा बन सकते हैं। इससे आप लोगों से जुड़ते हैं। ये संबंध आपके सामाजिक स्वास्थ्य में योगदान देते हैं।
- अपने रिश्तों को पोषित करने के लिए, दोस्ती को बनाए रखने के लिए हमेशा प्रयास करते रहें। यह आपके सामाजिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत अच्छा है। रिश्ते को मधुर बनाने के लिए दोनों तरफ से प्रयास की जरूरत होती है।
- अच्छी सोशल हेल्थ के लिए दूसरों में कमियां न निकालें, उनकी आलोचना न करें। एक समझदार व्यक्ति की तरह स्वीकार करें कि हर किसी को अपना जीवन अपने मन से अलग तरीके से जीने का अधिकार है। आपको यह भी मानना चाहिए कि आप हमेशा सही नहीं होते, इसलिए ऐसा व्यवहार न करें जैसे आप ही सही हैं।
- किसी से कोई मतभेद हो या समस्या हो तो बिना क्रोध या दोषारोपण के किसी समस्या के बारे में बात करें। यह सम्मानजनक संबंध बनाए रखने में मदद करता है, जो आपके सामाजिक स्वास्थ्य में योगदान देता है।
- दुनिया में हर कोई महत्वपूर्ण महसूस करना चाहता है। इसलिए अपने मित्रों, सहयोगियों और परिवार के सदस्यों की सराहना करने में कंजूसी न करें। इससे आपका सामाजिक स्वास्थ्य मजबूत होगा।
- हर कोई चाहता है कि उसकी बात ध्यान से सुनी जाए। इसलिए किसी को इग्नोर न करें, ध्यान से दूसरों की बातों को सुनें। उचित हो तभी प्रतिक्रिया दें। इन बातों का ध्यान रखने से आपकी सोशल हेल्थ अच्छी रहेगी। *

(मनोविज्ञानी डॉ. रूपा तालुकदार से बातचीत पर आधारित)

खास मुलाकात

आरती सक्सेना

ईद के मौके पर दर्शकों को सलमान खान की नई फिल्म का इंतजार रहता है। इस बार भी उन्होंने अपने फैंस को निराश नहीं किया। दर्शकों को ईद का तोहफा फिल्म 'सिकंदर' के रूप में मिला। एक खास मुलाकात में इस फिल्म के एक्सपीरियंस, इसके बिजनेस को लेकर सलमान खान ने खुलकर बातचीत की। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश।

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर मैं ज्यादा नहीं सोचता : सलमान खान

सलमान खान बॉलीवुड के उन चुनिंदा एक्टरों में से एक हैं, जो लगभग साढ़े तीन दशक से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर राज कर रहे हैं। बीते 30 मार्च को ईद के अवसर पर उनकी नई फिल्म 'सिकंदर' रिलीज हुई है। इस फिल्म में उनके अपोजिट हैं, साउथ की स्टार 'नेशनल क्रश' कही जाने वालीं रश्मिका मंदाना। फिल्म को डायरेक्ट किया है फिल्म 'गजनी' फेम डायरेक्टर ए. आर. मुरुगदॉस ने। फिल्म 'सिकंदर' को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें, तो इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह फिल्म वर्ल्ड वाइड एक सौ सत्तर करोड़ से अधिक की कमाई कर चुकी है और अभी भी दर्शकों में इसे देखने को लेकर क्रेज बना हुआ है। इस फिल्म से जुड़े कुछ सवालों के जवाब सलमान खान ने दिए इस बातचीत में।

आपकी फिल्म 'सिकंदर' हाल में ईद पर रिलीज हुई है। इससे पहले भी आपकी कई फिल्में ईद के मौके पर रिलीज होती रही हैं। ईद पर ही फिल्म रिलीज करने की कोई खास वजह?

ईद पर फिल्म रिलीज करने के पीछे एक वजह तो यह है कि इस दिन लोगों की छुट्टी होती है और दर्शक थिएटर तक फिल्म देखने आ सकते हैं। दूसरी वजह है कि त्योहार का खुशनुमा माहौल और पॉजिटिव वाइब्स फिल्म के लिए फायदेमंद साबित होती हैं। मुझे त्योहार मनाना अच्छा लगता है फिर चाहे वह ईद हो या दिवाली। इसी दौरान अगर मेरी फिल्म रिलीज होती है तो और अच्छा लगता है।

फिल्म 'सिकंदर' के एक सीन में सलमान खान

फिल्म के डायरेक्टर ए. आर. मुरुगदॉस के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

बहुत ही अच्छा! उनका काम करने का तरीका बहुत यूनिक है। मैं उनके काम से बहुत प्रभावित हूं। फिल्म देखकर आपको पता चलेगा कि 'सिकंदर' के लिए उन्होंने कितनी मेहनत की है। इससे पहले भी उन्होंने जो फिल्में बनाई हैं, उसमें उनका काम बोलता है। फिर चाहे वह आमिर खान की फिल्म 'गजनी' हो या उनकी डायरेक्टेड साउथ की फिल्में हों।

'सिकंदर' में रश्मिका मंदाना के साथ रोमांटिक जोड़ी बनाने को लेकर, उम्र के फर्क को लेकर आप पर बहुत कमेंट किए गए। इस पर आप क्या कहना चाहेंगे?

हां, मैंने भी लोगों से सुना है कि रश्मिका मुझसे आधी उम्र की है, मुझे उसके साथ जोड़ी नहीं बनानी चाहिए थी, हमारी जोड़ी उम्र के गैप की वजह से सही नहीं लग रही है। ऐसे लोगों के लिए मैं यही कहना चाहूंगा कि जब हीरोइन को मेरे साथ जोड़ी बनाने में कोई फर्क नहीं पड़ता, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, तो हमारी जोड़ी से लोगों को क्या प्रॉब्लम है? हमारी जोड़ी फिल्म के लिए है, फिल्म की कहानी के हिसाब से है। अच्छी है या बुरी है, यह तो दर्शक तय करेंगे न।

'सिकंदर' को रिलीज हुए एक सप्ताह ही हुआ है और फिल्म ने वर्ल्ड वाइड एक सौ सत्तर करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। ऐसे में आपको इस फिल्म से आगे क्या उम्मीदें हैं?

हर कलाकार चाहता है कि उसकी फिल्म अच्छा बिजनेस करे। वैसे बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर मैं ज्यादा सोचता नहीं हूं। मैं सिर्फ अपने काम पर ध्यान देता हूं और एक बार काम खत्म हो गया, तो सारी टेंशन छोड़ देता हूं। वैसे पर्सनली मैं अगर बात करूं, तो फिल्म अच्छी बनी है। मेरे पिताजी ने भी फिल्म देखी है। उन्होंने भी 'सिकंदर' की तारीफ की है। उन्हें भी फिल्म अच्छी लगी है।

'सिकंदर' की रिलीज के तीन दिन पहले मोहनलाल की 'एल2 एंपुरान' रिलीज हुई थी और अब सनी देओल की फिल्म 'जाट' रिलीज होने वाली है। इन फिल्मों की वजह से 'सिकंदर' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर क्या कोई इफेक्ट पड़ेगा?

'एल2 एंपुरान' को पृथ्वीराज सुकुमारन ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म के एक्टर मोहनलाल सर को एक अभिनेता के तौर पर मैं बहुत पसंद करता हूं। मुझे पक्का यकीन है कि यह एक बेहतरीन फिल्म होगी। जहां तक 'जाट' का सवाल है तो वह सनी प्राजी की फिल्म है। मोहनलाल और सनी देओल दोनों से ही से मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं। आपस में कैसा टकराव? मैं तो चाहता हूं कि हम सभी की फिल्में अच्छी चलें। हम सभी अपना काम ईमानदारी से कर रहे हैं। तो उसका अच्छा फल ही मिलेगा। *

मेरे पिता हैं रियल लाइफ सिकंदर

इस फिल्म में तो सलमान खान सिकंदर का रोल निभा रहे हैं। लेकिन रियल लाइफ सिकंदर वे किसे मानते हैं? इसके जवाब में सलमान कहते हैं, 'मेरे जीवन में सिकंदर तो एक ही हैं और वह हैं- मेरे पिता सलीम खान। वह आज जो भी हैं, अपने दम पर हैं। मेरे वालिद (पिता) का कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था। उनको कुछ भी नहीं मालूम था कि ग्लैमर वर्ल्ड में अपने आपको कैसे स्थापित करना है। अपने टैलेंट और अपनी मेहनत के बल पर उन्होंने इंडस्ट्री में अपना एक अलग मुकाम बनाया। उन्होंने सिर्फ अपने आपको ही नहीं हमारे पूरे परिवार को अपने अकेले दम पर संभाला और सभी को एक मुकम्मल मुकाम दिया। इसलिए मेरी नजर में असली सिकंदर वही हैं।